प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ.. सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

वर्ष-03, अंक - 19 (साप्ताहिक) | खवासा, गुरुवार 11 फरवरी 2021 | पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

सुविचार

जो लोग आप पर पत्थर फेंकते हैं, उन्हीं पत्थरों को इकट्ठा करके एक ऊँचा स्मारक खड़ा कर दीजिए।

रतन टाटा

चमोली त्रासदी पर वैज्ञानिकों ने जताया अंदेशा- बर्फकी चट्टानों के कमजोर पड़ने से आया जल सैलाब

चमोली एजेंसी। उत्तराखंड के चमोली में ग्लेशियर टूटने से आई बाढ़ में कई लोगों की मौतें हो चुकी हैं और काफी जान-माल का नुकसान भी हुआ है। हादसा होने के बाद अब कारणों का पता लगाया जा रहा है कि, आखिर यह जलसैलाब किस वजह से आया? वैज्ञानिकों का मानना है कि, उत्तराखंड के चमोली जिले में आई बाढ़ का कारण बर्फकी विशाल चट्टान के बरसों तक जमे रहने और पिघलने के कारण उसके कमजोर पड़ने से वहां शायद कमजोर जोन का निर्माण हुआ होगा, जिससे अचानक सैलाब आ गया।

वाडिया हिमालय भू विज्ञान संस्थान (डब्ल्यूआईएचजी) के वैज्ञानिकों ने शुरुआती तौर पर यह अंदेशा जताया है। उन्होंने कहा कि, हिम चट्टान दहने के दौरान अपने साथ मिट्टी और बर्फके टीले भी लेकर आई। इस घर्षण से संभवतः गर्मी उत्पन्न हुई, जो बाढ़ आने की वजह बनी होगी। संस्थान के वैज्ञानिकों ने विनाशकारी बाढ़ के कारणों का सुराग हासिल करने के लिए इलाके का हेलीकॉप्टर से सर्वेक्षण किया।

शराबी पिता ने अपने चार मासूम बच्चों का गला घोट कर उतारा मौत के घाट

स्वयं ने भी फंदा लगाकर की आत्महत्या

माही की गूंज, कुशलगढ़ (राज) नितिन झाकरोद

मामला राजस्थान के बाँसवाड़ा जिले के कुशलगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम डुगलापानी का जहा दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। एक शराबी पिता ने कमरे में सो रहे अपने ही सगे चार मासूम बच्चों का गला घोट कर मौत के घाट उतार दिया और बाद में स्वयं ने भी घर के आंगन में स्थित बबूल के पेड़ पर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सिंह सागर, एडिशनल एसपी एवं एफएलएस की टीम घटनास्थल पर पहुंची और बारीकी से पूरे मामले की जांच में जुटी है। फिलहाल सभी के शवों को पीएम के लिए बांसवाड़ा भेजा गया है। इस घटना को लेकर गांव सहित पूरे क्षेत्र में सनसनी फैली हुई है। प्रथम दृष्टया पुलिस अधीक्षक सागर को ग्रामीणों ने बताया कि, जो शराबी पिता बाबू है वह आए दिन शराब के नशे में रहता था?। उसने 8 दिन पूर्व उसकी पत्नी के साथ भी मारपीट एवं झगड़ा कर उसे घर से भगा दिया था। उसकी पत्नी पिहर जाकर कुछ दिन रही जिसके बाद वह मजदूरी के लिए गुजरात के अहमदाबाद चली गई। यह पूरा घटनाक्रम पारिवारिक झगड़ों का बताया जा रहा है। पुलिस हर पहलू से इसकी जांच में जुटी हुई है।

दूसरे डोज की तैयारी के लिए सरकार ने कोरोना टीके की 1 करोड 45 लाख खुराक का दिया ऑर्डर

नई दिल्ली एजेंसी। सरकार ने सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया को कोविशील्ड टीके की एक करोड़ खुराक और भारत बायोटेक को कोवैक्सीन की 45 लाख खुराक का ऑर्डर दिया है। दोनों टीकों के निर्माताओं ने इस आशय की जानकारी मंगलवार को दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 16 जनवरी को देश में कोविड-19 टीकाकरण अभियान की शुरुआत की थी।

कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि, सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया को भारत सरकार की ओर से कोविशील्ड की एक करोड़ खुराक का ऑर्डर मिला है। सरकार ने इससे पहले एस्ट्राजेनेका-ऑक्सफोर्ड द्वारा विकसित कोविड-19 के टीका कोविशील्ड की 1.1 करोड़ खुराक सीरम इंस्टीट्यूट से खरीदी थी।

पर्यटकों के लिए संजीत में बना रहे टापू, 70 किमी जलमार्ग पर चलेंगे स्टीमर

कंवला का मिनी गोवा और एलवी महादेव भी रूट में शामिल

माही की गूंज, मंदसौर।

जिले के गांधीसागर बांध और भानपुरा के पर्यटन स्थलों के फेटो लॉकडाउन के दौरान सोशल मीडिया में चर्चा में आए थे, इसके बाद से यहां भीड़ बढ़ने लगी, स्थिति यह हो गई थी कि, प्रशासन को गांव सील कर यहां पर धारा 144 लगाना पड़ गई थी।

गांधीसागर बांध के बैकवाटर क्षेत्र में मिनी गोवा नाम से प्रसिद्ध हुए गांव कंवला, सुनारी, राड़ीवाले बालाजी सहित धर्मराजेश्वर, पोला डूंगर, हिंगोरिया जल प्रताप, शंखोद्वार, साठखेड़ा कालेश्वर महाराज, केसरमाई (दुधाखेड़ी माताजी), श्री अमरवास बालाजी, भानपुरा संग्रहालय छतरी, छोटे-बड़े महादेव जल प्रताप, हिंगलाज माता मंदिर एवं किला, ताकेश्वर (ताकाजी), हिंगलाजगढ़ रिसोर्ट एवं बोट क्लब, गांधीसागर बांध सहित चंबल नदी एवं गांधीसागर अभ्यारण पर्यटन क्षेत्रों को जोड़कर पर्यटन हब बनाया जाने की तैयारियों के बीच जिले में पर्यटन को बढ़ाने के लिए गांधीसागर बैकवाटर क्षेत्र के पुराने संजीत गांव के कचहरी क्षेत्र में एक टापू विकसित किया जा रहा है। यह मंदसौर से लगभग 40 किमी दुर है। अगले माह से पर्यटकों के लिए स्टीमर शुरू हो जाएंगे, संजीत से गांधीसागर के 70 किमी के जलमार्ग में कंवला के मिनी गोवा सहित सीतामऊ के एलवी महादेव के दर्शन भी किए जा सकेंगे।

टापू के कार्य का सुपर विजन देख रहीं आरईएस की असिस्टेंट इंजीनियर स्वाति कसोट ने बताया कि, यह टापू गांधीसागर बैक वाटर के बीच 30 हजार स्क्वेयर फीट जमीन पर फैला हुआ है, जलस्तर से इसकी ऊंचाई 9 मीटर है, बारिश के समय जलस्तर बढ़ने पर इसकी ऊंचाई साढ़े 7 मीटर रह जाएगी। टापू को पानी के कटाव से बचाने के लिए चारों तरफपिचिंग (पत्थर लगाना) की जाएगी, यहां पहुंचने के लिए अस्थायी रूप से सड़क बनाई जाएगी।

लुटेरी दुल्हन गैंग का पर्दाफाश
शादी के नाम पर रचा ऐसा खेल कर दी लाखों की धोखाधड़ी, पुलिस ने पूरे गिरोहों को किया गिरफ्तार

माही की गूंज, रतलाम। हिन्दू धर्म में विवाह बंधन को सात जन्मों का बंधन माना जाता है। कहते हैं कि, एक बार आप जिसे अपना जीवनसाथी बना लेते हैं उनके साथ आपका रिश्ता सात जन्मों के लिए जुड़ जाता है, शादी के दौरान पति-पत्नी एक दूसरे को सात वचन देते हैं जिसे काफी महत्वपूर्ण माना जाता है। एक सुखी वैवाहिक जीवन के लिए शादी के सभी सात वचनों का पालन करना अहम माना गया है, ये सात वचन पति-पत्नी दोनों के लिए खासा मायने रखते हैं। लेकीन कुछ लोगों ने शादी करने के नाम पर लोगो से लाखों रुपए लुटने का जरीया बना लीया हैं।

ऐसा ही मामला जिले के कालूखेड़ा थाने में सामने आया है, बछोड़िया गांव के निवासी मोहनलाल टांक ने कालूखेड़ा थाने पर आवेदन दिया जिसमें बताया गया कि, मुझे सेमलिया निवासी मंगलेश पाटिदार ने विवाह के लिए खंडवा की लड़की बताई और कहा कि, ये बहुत गरीब है और लड़की के जीजाजी, माता-पिता इन सबको पेमेंट देना पड़ेगा, जिसके लिए मंगलेश ने मुझसे 1 लाख 40 हजार रुपए लिए और मेरी उस लड़की से जावरा कोर्ट में शादी करवा दी। शादी के बाद लड़की 15 दिन रही और बीमारी का झांसा देकर फरार हो गई, जब उस से फोन से बात की तो आने से मना कर दिया। मोहनलाल उस समय समझ गया था कि, हमारे साथ ठगी हुई है तो, उसने कालूखेड़ा थाने में आवेदन दिया, जिसपर कालूखेड़ा थाना प्रभारी विजय सनस ने मामले को जांच में लेकर आरोपियों के खिलाफ धारा 420, 120 (ठ) में मामला दर्ज कर पुरे गिरोह को गिरफ्तार किया।

एसडीओपी रविन्द्र बिलवाल ने बताया कि, पूरा गिरोह खरगोन का है जिसमे 7 लोग शामिल है जिसमे 4 महिला और 3 पुरुष शामिल है जिसमे से 1 महिला अभी फरार जिसकी तलाश पुलिस कर रही है सभी आरोपियों का पीआर लिया जा रहा है और आगे की पूछताछ जारी है।

राजनीति जनसेवा के लिए हो न कि शोषण के लिए

माही की गूंज की पुष्टि के साथ चरित्रता की बात करने वाले भाजपा नेता है चरित्रहीन का हुआ खुलासा

माही की गूंज, झाबुआ। संजय भटेवरा

माही की गूंज ने 3 दिसंबर 2020 के अंक में जिले के भाजपा संगठन के एक शीर्ष नेता की चरित्रहीन कारनामे को उजागर किया था। गूंज ने शीर्षक ''नए मंडल अध्यक्ष का दायित्व है वो काम करेगा, मैं बोलना शुरू करूंगा तो तुम नरसिंगपाड़ा छोड़ दोगे- भाजपा जिलाध्यक्ष नायक'', ''कार्यकर्ताओं की पार्टी कहने वाली भाजपा कार्यकर्ताओं की कर रही उपेक्षा, जिले में भाजपा की गुटबाजी अब आ रही सड़कों पर'' के साथ ''चरित्रता कि बात करने वाले भाजपा नेता है चरित्रहीन'' शीर्षक के साथ 3 दिसंबर को समाचार प्रकाशित किया था। जिसमें गूंज सूत्रों से मिली जानकारी व ऑडियो सुन हमने खुलासा किया था कि, एक अबला महिला अपने किसी कार्य को करवाने हेतु वर्तमान संगठन के एक शीर्ष नेता (लक्ष्मण सिंह नायक) के पास यह अपेक्षा लेकर गई कि, वह नेता पार्टी के शीर्ष पद पर होकर चरित्रवान नेता है और वह अबला नारी का सहयोग कर उसे न्याय दिलाएगा। अबला नारी शीर्ष नेता से अपने कार्य को करवाने हेतु मिली और फोन पर भी अपना कार्य करने हेतु निवेदन किया, लेकिन शीर्ष नेता ऑडियो अनुसार ऐसा चरित्रहीन निकला कि, महिला को गलत नियत से राजस्थान के एक धार्मिक स्थल (खाटू श्याम) पर ले जाने की बात कही एवं अनैतिक नियत से महिला को शीर्ष नेता ने तीन बात मानने व वीडियो कॉलिंग के साथ बात करने का कहने लगा व अबला महिला को ऐसी बात भी कहीं की जो स्पष्ट करता है कि, भाजपा का उक्त शीर्ष नेता (लक्ष्मण सिंह नायक) कितना चरित्रहीन है, लेकिन अबला महिला चरित्रवान होने के कारण शीर्ष नेता अपनी बदनियत में सफल नहीं हो पाया। वही उक्त मामले के उजागर करने के बाद भी अपनी बदनियती व चरित्रहीनता का परिचय देते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह नायक ने सोशल मीडिया पर एक पोर्न विडियो वायरल कर अपनी चरित्रता का परिचय भी दिया था जिसे भी माही की गूंज ने ''ये कैसी नायिकी'' शिर्षक के साथ मामले को उजागर किया था।

दो माह में लक्ष्मण नायक की चरित्रहीनता का ऑडियो हुआ वायरल

गूंज की पुष्टि के बाद महज दो माह में ही पेटलावद थाना क्षेत्र के अंतर्गत ही रहने वाली पीड़िता के पति ने सोशल मीडिया पर एक ऑडियो वायरल कर भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह नायक की चरित्र हीनता का खुलासा कर दिया। वहीं 7 फरवरी को एएसपी झाबुआ को भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मण नायक व उसके सहयोगी ब्रजभूषण परिहार के विरुद्ध लिखित शिकायत देकर जिले की भाजपाई राजनीति में एक बार फिर भूचाल लाकर भाजपाई पदाधिकारियों की चरित्रहिनता का खुलासा किया है। मामले में बद नियत से बात करने, महिला के साथ शोषण करने के साथ ही धमकी देने व उसके पति के व्यवसाई में बाधा डालकर जान से मारने तक की धमकी देने का आरोप आठ बिन्दुओ के साथ लगाए है, जिसमें मामले की जांच पेटलावद एसडीओपी को सौंपी गई है। वहीं पीड़िता व उसके पति के बयान के साथ चरित्रहीन भाजपा नेता लक्ष्मण नायक ने जो भी बातें की उसकी रिकॉर्डिंग ऑडियो सीडी भी पुलिस को उपलब्ध करवाई है।

जिम्मेदार पदों पर बैठे वासना के भूखे व्यक्ति से इस देश की नारी क्या सुरक्षित है?

पुलिस क्या जांच में खुलासा करती है वह आगे का विषय है पर राजनीति को काजल की काली कोठरी कहा गया है, जिसमें से साबूत निकलना अपने आप में बड़ी बात है। भारतीय राजनीति में अटल बिहारी वाजपेई जैसे योद्धाओं ने अपनी लंबी राजनीतिक पारी खेलने के बावजूद एक दाग भी नहीं लगने दिया। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में राजनैतिक शुचिता के साथ ही नैतिकता का भी पतन हुआ है और यह पतन निश्चय रूप से राजनीति के शीर्ष पर बैठे नेताओं को यह सोचने पर मजबूर करता है कि, राजनीति सेवा के लिए है या शोषण के लिए?

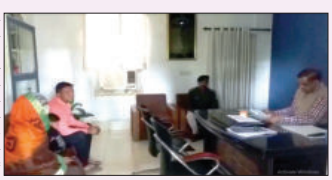

एएसपी झाबुआ को की जिला अध्यक्ष के विरूद्ध महिला ने शिकायत।

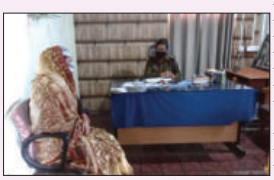

- जांचकर्ता अधिकारी एसडीओपी को बयान देते हुए पीड़ित महिला

पंडित दीनदयाल उपाध्याय के आदर्शों पर चलने वाली पार्टी (जिन्होंने समाज की अंतिम पंक्ति के व्यक्ति के विकास का सपना देखा था और जिसे अंत्योदय का नाम दिया था) के मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री से लेकर संगठन में बैठे पदाधिकारियों के साथ ही कार्यकर्ताओं से भी यह उम्मीद की जाती है कि, वह यथा संभव समाज में वंचित, शोषित, असहाय लोगों की मदद करें। लेकिन पिछले दिनों इसी पार्टी के जिला अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद पर बैठे व्यक्ति का एक ऑडियो वायरल होने के बाद जिले की राजनीति में भूचाल आ गया है।

मामला एक महिला का है, जिसका उसी के पति के साथ विवाद चल रहा था महिला अपने पति से मतभेद के चलते कानूनी कार्रवाई करने के पक्ष में थी, एक नागरिक के साथ ही जिम्मेदार पद पर बैठे व्यक्ति की पहली कोशिश यह होना चाहिए कि, पति-पत्नी के बीच समझौता हो जाए, सुलह का प्रयास करना चाहिए न कि आग में घी डालने का काम करना चाहिए। भाजपा जिलाध्यक्ष ने एक नारी की परिस्थितियों का गलत फायदा उठाने की कोशिश की और नारी की आपदा को अपने लिए अवसर बनाने की नाकाम कोशिश की। ये ही नहीं पति और पत्नी में आपस में समझौता होने के बावजूद उनको अनावश्यक परेशान करने की कोशिश की या और कुछ राजनीतिक बात हो, जो भी हो पर उसके बाद उस महिला ने पुलिस को नामजद शिकायती आवेदन दिया। अब आगे की कार्रवाई पुलिस को करना है तथा भारतीय जनता पार्टी को करना है कि, वो अपने ऐसे चरित्रहीन विचारधारा वाले जिलाध्यक्ष को पद पर रखना चाहती है या नहीं।

लेकिन पूरे प्रकरण में एक बात अक्सर बुद्धिजीवियों के साथ ही राजनीतिक पंडितों को यह सोचने पर मजबूर करती है कि, राजनीति सेवा के लिए होना चाहिए या शोषण के लिए ?

प्रदेश के मुख्यमंत्री स्वयं सार्वजनिक रूप से खुद को सेवक और जनता को भगवान कहते हैं, लेकिन उन्हीं की पार्टी के नेताओं का जनता रूपी भगवान के साथ इस प्रकार का कृत्य क्या शोभा देता है? वर्तमान में सोशल मीडिया का जमाना है इतनी तकनीक का उपयोग हो रहा है कि, पलक झपकते ही सूचना कहां से कहां पहुंच जाती है ऐसे में जिम्मेदार पदों पर बैठे व्यक्ति द्वारा फोन पर इस प्रकार से बात करना व कहना निश्चित रूप से राजनीति के गिरते स्तर को दर्शाता है। वहीं आम जनता को यह सोचने पर मजबूर करता है कि, नारी को पूजने वाले देश के कर्ता-धर्ता इस देश को किस दिशा में ले जा रहे हैं ? वासना के भूखे लेकिन जिम्मेदार पदों पर बैठे व्यक्ति से इस देश की नारी कैसे सुरक्षित हो सकती है।

क्या ऐसे ही अंत्योदय का सपना पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने देखा था? क्या इसी प्रकार की राजनीति को अटल बिहारी वाजपेई देखना चाहते थे ? क्या इसी प्रकार का सुशासन शिवराज सिंह चौहान प्रदेश में लाना चाहते हैं ? ये ऐसे प्रश्न हैं जिनका उत्तर अन्ततः भाजपा को ही आम जनता को देना पड़ेगा, अगर भाजपा इनका उत्तर नहीं देगी तो निश्चित ही जनता रूपी भगवान अपना फैसला समय आने पर अवश्य देगी।

नितेश बैरागी बने उपाध्यक्ष, तीन निर्दलीय का मिला समर्थन

भाजपा के बैरागी को मिले 18 मत, प्रतिद्वंद्वी जैनब को मिले दो वोट

नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष और अध्यक्ष

माही की गूंज कुशलगढ़ (राज.), नितिन झाकलेद

कुशलगढ नगरपालिका पालिका उपाध्यक्ष चुनाव में भाजपा के नगर मंडल अध्यक्ष नितेश बैरागी उपाध्यक्ष चुन लिए गए, बैरागी को तीन निर्दलीय का भी समर्थन मिला और कुल 18 वोट मिले, उनके प्रतिद्वंद्वी प्रत्याशी जैनब को दो ही वोट मिले। सोमवार सुबह भाजपा के बैरागी ने अपना नामांकन पत्र प्रस्तुत किया, वहीं कांग्रेस पार्षद जैनब ने बतौर निर्दलीय अपना पर्चा दाखिल किया। जिसके बाद हुए मतदान में बैरागी को 18 तथा जैनब को 2 वोट मिले। बैरागी को तीन निर्दलीय पार्षदों ने भी वोट दिया इससे भाजपा के पक्ष में वोट की संख्या 15 से बढ़कर 18 हो गई मतगणना के बाद आर ओ बीएल सुथार ने बैरागी को उपाध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया।

नहीं दिया पार्टी सिंबोल

जानकारी के अनुसार कांग्रेस ने उपाध्यक्ष चुनाव में पार्टी सिंबल नहीं देने का निर्णय किया इसके तहत पार्टी की पार्षद जैनब को भी सिंबोल नहीं दिया। जिस पर उन्होंने निर्दलीय नामांकन भरा। उसके प्रस्तावक कांग्रेस पार्षद रजनीकांत खाब्या ही रहे।

निकाला विजय जुलुस

बैरागी के जीत की घोषणा के बाद अध्यक्ष और उपाध्यक्ष सहित भाजपा कार्यकर्ताओ ने विजय जुलुस निकाला। जिसमें पुर्व ससंदीय सचिव भीमा डामोर, प्रधान कांनहिग रावत, प्रवीण गादिया, कमलेश कावडिया, पुर्व पालिका अध्यक्ष रेखा जोशी, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष लीला पडियार आदि उपस्थित रहे।

साहब मैने क्या बिगाड़ा मैं गरीब हुं मुझे भी सुरक्षित छत की जरूरत है- पूनम

शासकीय भवन निजी संस्था को देने पर व्यवस्था पर उठे सवाल, अमीर-गरीब की खाई की गहराई को बढ़ा रहा प्रशासन

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

इन दिनों जनपद पंचायत के पास स्थित कृषि विभाग का पुराना भवन नगर में चर्चा का विषय बना हुआ है जो कृषि विभाग के नए भवन में चले जाने के बाद से बन्द पड़ा था, लेकिन गत दिनों उक्त खाली पड़े भवन को एक निजी संस्था के सुपुर्द कर दिया, जो इस भवन का रिनोशन करके इसमें बुजुर्गों के लिए वाचनालय के शुरू करने का कार्य किया जाएगा बता रही है। बताया जा रहा है कि, उक्त शासकीय भवन जिला कलेक्टर रोहितसिंह और अनुविभागीय अधिकारी शिशिर रोमावत की अनुमति से कृषि विभाग ने निजी संस्था के सुपर्द किया है, संस्था के सदस्यों ने सोशल मीडिया पर अपनी और से पुष्टि भी की है कि, भवन जिला कलेक्टर और पेटलावद एसडीएम की पहल पर निजी संस्था वर्द्धजनो के लिए डे-केयर सेंटर शुरू कर रही है। मामले के सुर्खियों में आते ही प्रशासन के ऊपर बड़े सवाल खड़े होने लग गए कि, आखिर किन नियमों के तहत नगर में बने शासकीय भवन निजी संस्थाओ को नियमो को ताक में रख कर दिए जा रहे है। जबकि संस्था के पास खुद का हॉल है जो कि, किराए पर है वहीं एक शासकीय परिसर में रोटी केंद्र के नाम पर भी एक शासकीय भवन संस्था के पास है, भले ही संस्था के खाली पड़े शासकीय भवन का उपयोग जनहित के लिए करने को योजना है लेकिन नगर में ऐसी निजी संस्थानों का रिकॉर्ड कोई खास अच्छा नही है कुछ समय के लिए इन भवनों ने प्रस्तावित गतिविधियों का संचालन होता है और बाद में ये भवन संस्था की सम्पत्ति बन कर रह जाते है। इस संस्था के साथ-साथ एक अन्य संस्था के पास समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एक अन्य संस्था में फिजियोथेरेपी केंद्र शुरू किया था लेकिन थोड़े ही समय मे फिजियोथेरेपी केंद्र बन्द हो गया और अब शासकीय भवन के इस हिस्से पर निजी संस्था का ही ताला लगा हुआ है।

व्यवस्था पर उठे सवाल, सूट-बुट पहन कर जाओ प्रशासन से सब पाओ

जिस प्रकार से प्रशासन कुछ निजी संस्थाओं के आभा मण्डल और प्रभाव में आकर शासकीय भवन पर कब्जा करवाने में लगा है उससे व्यवस्था पर बड़ा सवाल उठ रहा है, एक और वो वर्ग है जिसके लिए दुनिया भर की योजनाओं के माध्यम से उसका स्तर उठाना है तो दूसरी और वो वर्ग है जिसके पास किसी चीज की कमी नही होकर साधन सम्पन्न है। लेकिन प्रशासन अपनी जिम्मेदारी को भूलते हुए केवल सम्पन वर्ग से जुड़ी संस्थाओं पर ही मेहरबान है जबकि गरीब वर्ग आज भी प्रशासन की चौखट पर अपनी चप्पले घिस रहे है।

अतिक्रमण मुहिम में बेघर हुई अनाथ पूनम जो कि, अपने पालक के साथ रह रही है लगभग 80 वर्षों से अधिक समय से एक शासकीय संस्था के परिसर में रहने के बाद भी उस स्थान से पूनम के परिवार को उठाकर सड़क पर केवल इसलिए फेंक दिया क्योंकि उसके परिवार के पास कोई दस्तावेज नही थे, काफी जद्दोजहद के बाद बमुश्किल 19 वार्षिय अनाथ पुनम को एक अस्थायी टीन शेड का कमरा बनाकर दिया गया, जहां उसके लिए मूलभूत सुविधाएं भी नही थी, वही पालक के मजदूरी के लिए निकलने के बाद अकेले रहने पर मजबूर है जहां उसके साथ कई बार विवाद और छेड़खानी जैसी घटना भी हो चुकी है। मामले पुलिस तक भी पहुंचे और एफआईआर भी हुई तो जिस भूमि पर अस्थाई शेड बनाकर दिया गया उस भूमि पर भी अन्य लोगो अपना कब्जा बताकर आए दिन विवाद करते है, भविष्य में फिर से किसी अतिक्रमण मुहिम में दस्तावेजो के अभाव में आश्याना उजड़ न जाए इसलिए प्रशासन से सुरक्षित स्थान पर पट्टे की मांग पुनम लगातार कर रही है लेकिन प्रशासन के कानों तक अब तक पूनम की गुहार नही पहुंची है।

सरकारी भवन को उपयोग में लेने की तैयारी में निजी संस्था, भवन के बाहर ठोका अपना बोर्ड

सुरक्षित स्थान पर पट्टे की तलाश में प्रशासन की ठोकरे खाने पर मजबूर अनाथ पूनम और उसके पालक।

कलेक्टर, एसडीएम, नगर परिषद सभी की और से निराशा लगी हाथ, जिम्मेदार झाड़ रहे पल्ला

कृषि विभाग के खाली पड़े भवन को प्रशासन ने बिना किसी लाग लपेट के चंद दिनों में निजी संस्था के हवाले कर दिया, लेकिन सुरक्षित स्थान पर पट्टा मांग रही अनाथ पूनम की किसी ने नही सुनी। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन से लेकर कलेक्टर, अनुविभागीय अधिकारी और नगर परिषद तक मे बार-बार आवेदन करने के बाद भी नतीजा शून्य ही रहा है, कलेक्टर साहब के पास मामले को समझने का समय नही है तो एसडीएम साहब अपनी जिम्मेदारियों से भागते हुए नगर परिषद के पाले में गेंद फेक रहे है उधर नगर परिषद अपने आप को पट्टा देने के अधिकार नही होने का बोलकर नगरीय क्षेत्र में पट्टा देने में असमर्थता बताते हुए पल्ला झाड़ रही है। सीएम हेल्पलाइन या ऊपर से कोई जांच आती है तो नगर परिषद पुनम के परिवार को दिया हुआ अस्थाई टीन शेट बताकर इतिश्री कर पुनम की मांग से परेशान होकर उसी स्थान पर पुनः कब्जा करने की बात पूनम को कह रहे है जहां से अतिक्रमण मुहिम से हटाया गया था। लेकिन किसी भी जबाबदार ने गरीब पूनम के प्रति अपनी भूमिका ईमानदारी से नही निभाई दूसरी ओर सूट-बूट वाली निजी संस्थाओ के केवल सेवा के नाम पर की गई मांग को अधिकारी सर आखों पर बिठाकर शासकीय परिसरों में बने शासकीय भवन निजी संस्थानों को दिए जा रहे है, जिससे सरकार की व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे बल्कि गरीबों के उठथान के लिए बनी योजनाओं और भूमिहीन को पट्टे ओर मकान देने की योजना, अनाथ बच्चों के लिए योजना, महिलाओं और लड़कियों की सुरक्षा के लिए किए जा रहे सरकारी दावे घरातल पर खोखले साबित हो रहे है।

बंगाली डॉक्टरों पर स्वास्थ्य विभाग की दिखावे की कार्रवाई

माही की गूंज, पेटलावद।

नगर सहित आस-पास के क्षेत्रों में झोलाछाप डाक्टरों के अवैध अस्पताल संचालित हो रहे है, इनके द्वारा बिना डिग्री या किसी समकक्ष अनुमति के बिना बेखोफ होकर मरीजो का इलाज किया जाता है, इनके गलत इलाज से कई बार मरीजो की हालत गंभीर हुई हैं तो कई बार मरीजो ने अपनी जान भी गवाई है। हालांकि मीडिया में खबरे प्रकाशित होने और शिकायतों के बाद प्रशासन द्वारा इन झोलाछाप डॉक्टरों पर कार्रवाई की जाती है किंतु थोड़े दिनों बाद फिर इनके अवेध क्लिनिक सुचारू रूप से प्रारम्भ हो जाते है। समय-समय पर कार्रवाई के अभाव के चलते झोलाछाप डॉक्टरों के हौसले बुलंद हो जाते है और प्रशासन की नाक के नीचे खुलेआम भोले-भाले मरीजो की जान के साथ खिलवाड़ किया जाता है।

गत दिनों स्थानीय स्वास्थ्य अमले की दो टीमो ने नगर में झोलाछाप डाक्टरों के यहां छापामार कार्रवाई की, जिसमे गांधी चौक स्थित नितेश विश्वास व एक अन्य गजेंद्र खजवानिया के क्लिनिक पर पेटलावद स्वास्थ्य विभाग ने छापा मारा और इनके खिलाफधारा 24 के अंतर्गत प्रकरण दर्ज किया गया। स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई से अन्य झोलाछाप डाक्टरों में हड़कंप मच गया और वह हमेशा की तरह इस बार भी अपने-अपने क्लीनिकों पर ताला जड़कर फरार हो गए। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग ने अन्य झोलाछाप डॉक्टरों के यहां कार्रवाई करना उचित नही समझा। दो झोलाछाप डॉक्टरों के यहां कार्रवाई करके स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार पुनः निंद्रासन में चले गए है। पेटलावद नगर में ही लगभग 1 दर्जन से अधिक झोलाछाप डॉक्टरों के अवैध क्लिनिक संचालित हो रहे है किंतु मात्र दो डॉक्टरों पर कार्रवाई कर अपने कर्तव्य से इतिश्री कर ली गई।

मंडल पर मेहरबान विभाग, भेट पूजा की रकम इकट्ठी करते झकनावदा में नजर आया

पुराना बस स्टेंड में बंगाली डॉ. मंडल का क्लिनिक संचालित होता है, यहां बिना रोक-टोक के मरीजो का इलाज किया जाता है, इसके बदले मरीजो से मनमाफिक फीस भी वसूली जाती है। पूर्व में प्रशासन ने इस डॉ. के खिलाफकार्रवाई की थी और प्रकरण भी दर्ज किया था तथा भविष्य में क्लिनिक संचालित नही करने सम्बंधित निर्देश भी अधिकारियों के ने दिए थे, किंतु उसके बाद भी राजनीतिक संरक्षण और अपने रसूख के दबाव के चलते उक्त झोलाछाप डॉ. प्रशासन पर भारी पड़ता नजर आ रहा है। बुधवार को भी स्वास्थ्य विभाग की और से इस डॉ. पर कोई कार्रवाई नही की गई और न ही अन्य क्लीनिकों पर कार्रवाई हुई।

फर्जी डॉक्टर पीके मंडल जहां झकनावदा में देखा गया, उस क्लीनिक के फर्जी डॉक्टर लक्ष्मीकांत मंडल पर पूर्व में दिसंबर 2020 को झाबुआ के स्वास्थ्य विभाग की टीम ने झापामार कार्रवाई की थी एवं आयुर्विज्ञान धारा 24 के अंतर्गत एफआईआर दर्ज हुई थी एवं कोर्ट से जमानत पर सशर्त रिहा हुआ था। तत्पश्चात अभी हाल ही में कुछ दिन पूर्व खाद्य विभाग ड्रग इंस्पेक्टर अहिरवाल ने भी इसके यहां से एक्सपायर डेट की दवाई बरामद की थी और कुछ लिखा पढ़ी भी की थी उसके बाद आज भी वह खुलेआम लोगों की जान के साथ खिलवाड़ करने में लगा हुआ है।

सूत्रों से ज्ञात हुआ कि, स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई से पेटलावद का बंगाली डॉक्टर पीके मण्डल जिम्मेदारो की भेंट पूजा के लिए फर्जी बंगाली डॉक्टरों से राशि इकट्ठा करने के लिए निकला है, बताया जा रहा है बंगाली मंडल ही सभी डॉक्टरों की और से जिम्मेदारो के लिए वसूली का कार्य करता है और स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई के बाद मंडल अपना क्लीनिक बन्द कर वसुली अभियान के लगा हुआ है।

पेटलावद में खुलेआम प्रेक्टिस करता फर्जी बंगाली डॉक्टर पीके मंडल।

स्वास्थ्य अमले की छापामारी के बाद बंगाली डॉक्टरों के घरो पर ताकर लगाता डॉक्टर मंडल झकनावदा पहुंचा।

गूंज में हो चुका है बड़ा खुलासा

नगर सहित क्षेत्र में पनप रहे बंगाली झोलाछाप डॉक्टरों पर आखिर किसकी मेहरबानियां है जो प्रशासन को ठेंगा दिखाते हुए खुलेआम मरीजो की जान के साथ खिलवाड़ कर रहे है। माही की गूंज में बंगाली डॉक्टरों के बीच कई फर्जी डॉक्टर ऐसे है जो फर्जी तरीके से बांग्लादेश से यहां आकर रह है, जिसका खुलासा मय सबूतों के साथ किया था लेकिन प्रशासन ने अब तक मामले को गंभीरता से नही लिया। यदि इन बंगाली फर्जी डॉक्टरों का पूरा इतिहास टटोला जाए तो इनकी नागरिकता और फर्जी डिग्री का खुलासा हो जाएगा लेकिन मासिक बंदी और निजी लाभ के लिए इन पर आज तक कोई बड़ी कार्रवाई नही हुई है।

गूंज में प्रकाशित समाचार के बाद हुई कार्रवाई, बौखलाए माफिया, नईम शेख सेक रहा अपनी शेखी

बौखलाए शराब माफिया व गुर्गे दिखा रहे अपनी वास्तविक औकात, दे रहे धमकी, चमचे भी हो गए सक्रिय

माही के गूंज, झाबुआ।

माही की गूंज माफियाओं दबंगों एवं भ्रष्टाचारियों के विरुद्ध पूरी बेबाकी के साथ पूरे तथ्यात्मक रूप से समाचार प्रकाशित करता रहा है और हमारे समाचारों का असर ऐसा होता है कि, बडे से बडे माफिया, दबंगो व भ्रष्टाचारियों की पेन्ट गीली हो जाती है और फिर वह छोटे तबके के साथ अन्य लोगों का सहारा लेकर अपनी असली औकात पर आकर, आगे से इनके काले कारनामों के समाचार माही की गूंज में प्रकाशित किसी भी स्थिति में न हो कि, नियत से झूठे मुकदमे दर्ज करवाने, मारने-पीटने आदि की धमकियां देकर अपना प्रभाव बताने का असफल प्रयास करने में कोई चूक नहीं करते हैं।

ऐसा ही एक वाक्या पेटलावद के बामनिया में शराब माफिया निलेश राठोड अपनी राठौड़ी दिखाने के साथ ही चमचा मैनेजर पिंटू के इशारों पर बामनिया शराब दुकान की देखरेख कर रहा कर्मचारी नईम शेख के माध्यम से अपनी औकात दिखाकर माही की गूंज एवं प्रतिनिधियों को धमकाने का प्रयास किया जा रहा है।

बता दें कि, गूंज ने 24 जनवरी को शराब माफिया फरार तुकाराम पिता शान्तिलाल चौहान की गिरफ्तारी के बाद शीर्षक ''एक वर्ष से पुलिस को चकमा देने वाला चोटीधारी तुकाराम पहुंचा जेल'', ''गिरफ्त में आने के बाद भी पुलिस को अपने बचाव के लिए माफिया देता रहा प्रलोभन, मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश करने के पूर्व तक परिजनों व अपने अन्य साथी माफियाओं से थाने से ही करता रहा मोबाइल से बात'' के साथ ही माफियाओं एवं माफियाओ के हितेषी बौखलाने लगे। जिसके बाद 28 जनवरी को ''अपना जमीर बेच चुके माफिया को हितोषियो ने सुभाषचंद्र बोस व भगत सिंह जैसी दे डाली संज्ञा'', ''एक वर्ष से फरार आरोपी चोटीधारी शराब माफिया तुकाराम पहुंचा जेल का समाचार प्रकाशित होने पर मचा हड़कंप'' के शीर्षक से समाचार प्रकाशित किया। वही 28 जनवरी के अंक में ही आबकारी व शराब माफिया उर्फठेकेदार कि आपसी से सांठ-गांठ का खुलासा करते हुए ''25 जनवरी को आबकारी अधिकारी के सामने हो रही थी सप्लाई अवैध शराब'', ''भाजपा नेता की आपत्ति के बाद केस बनाने की बजाय शराब की पेटियां गोदाम में रखाई'' प्रकाशित किया था। वही क्रमशः 4 फरवरी के अंक में ''तुकु की तूती, निलेश की राठौड़ी, पिंटू की चमचागिरी के साथ बामनिया, पेटलावद, रायपुरिया क्षेत्र में बिक रही अवैध शराब'', ''समाचार प्रकाशित होने के बाद माफिया के साथ आबकारी इंस्पेक्टर जयश्री भी आई हरकत में'' शीर्षक के साथ समाचार प्रमुखता के साथ प्रकाशित किया था। जिसमें रायपूरिया, पेटलावद व बामनिया की शराब दुकानों से क्षेत्र के गांव-गांव में किन-किन वाहनों से शराब सप्लाई हो रही है

इस तरह से प्रतिदिन वाहनों पर हो रही अवैध शराब सप्लाई।

और किस क्षेत्र में शराब माफिया ने अवैध शराब सप्लाई करने हेतु कर्मचारी रखे हैं, जो शराब माफियाओं के आदेशों पर अवैध शराब सप्लाई कर रहे हैं, कर्मचारी के नाम के साथ चार पहिया वाहन एवं दो पहिया वाहन पर अवैध शराब की पेटियां सप्लाई होते समाचार प्रकाशित किया था। जिसके बाद शराब माफिया एवं उसके गुर्गें ऐसे बौखलाए कि, उनकी बौखलाहट व उनकी हरकतें देखते ही बन रही थी।

अपनी साख बचाने के लिए आबकारी ने कि कार्यवाही

वहीं आबकारी इंस्पेक्टर जयश्री वर्मा अपनी साख बचाने के लिए कुछ ढाबो व अवैध शराब विक्रेता पर कार्रवाई करते हुए कुछ स्थानों पर दबिश दी, जिसके बाद उक्त कार्रवाई को भुनाते हुए शराब ठेकेदार निलेश राठौड़ के इशारों पर ठेकेदार की चमचागिरी करने वाले पिंटू के कहने पर बामनिया में अपनी शेखी हांकते हुए, अपने ठेकेदारों व मैनेजर को गांव में अपना प्रभाव कैसा है बताते हुए नईम ने कर्मचारियों को भड़काया व किसी सुनील के नाम से फोन लगाकर हमारे एक प्रतिनिधि को धमकाने का प्रयास किया और आपको यह खबर व बाइक जिसपर मैं शराब की पेटीयो को ले जा रहा का फोटो किसने दिया बताओ कहने लगा। जिस पर प्रतिनिधि ने स्पष्ट कह दिया, समाचार माही की गूंज कार्यालय से प्रकाशित हुआ है, उनसे जाकर बात करो। लेकिन शिकावटी पुत यह कहकर धमकाते रहा कि, मैं एक्टोसीटी मे प्रकरण दर्ज करवाने व मेरा नाम छापने पर जनसुनवाई में शिकायत करूंगा। जब शिकावटी पुत के पास जवाब नहीं मिले तो, अपनी शेखी हांकते हुए दल्ले नईम शेख ने फोन लेकर चापलूसी करने लगा।

इस फोटो को लेकर भी की धमकाने की कोशिश।

माही की गूंज में समाचार प्रकाशित होने पर की आबकारी ने कार्यवाही, दल्ले शेख ने किया सार्वजनिक

इतना ही नहीं आबकारी की स्पेक्टर ने कार्रवाई के दौरान बामनिया के एक ढाबे पर भी कार्यवाही कर कुछ मात्रा में अवैध शराब जप्त की। जिसे भी शेख ने अपनी शेखी हांकते हुए आबकारी की कार्यवाही माही की गूंज में प्रकाशित समाचार के बाद शराब पकड़ने की हुई है को सार्वजनिक किया।

दल्ले के भड़काने पर धमकाने का किया प्रयास

पूर्व में एक मामले में पुलिस चौकी का फोटो प्रकाशित करने पर चौकी के साथ परिसर में खड़ी गाडी का भी फोटो सामान्य स्थिति में माही की गूंज में प्रकाशित हुआ था जिसमें भी एक व्यक्ति को दल्ले नईम ने माही की गूंज के विरूद्ध भड़काने का प्रयास किया था जिसे हमने प्रकाशित किया था। उसी तरह इस मामले में भी कुछ व्यक्तियों को भड़काकर माही की गूंज के विरूद्ध भड़काने का प्रयास दल्ले द्वारा किया गया है। दल्ले की इन्ही करतुतो से इनके परिवार के प्रतिष्ठीत सदस्यों की प्रतिष्ठा भी दल्ले की प्रतिष्ठा के साथ धुमिल करने में दल्ला कोई कसर नही छोड़ता है।

उक्त सारे मामले में यही सार्वजनिक होता है कि, शराब माफिया उर्फ ठेकेदार के इशारों पर अपनी शेखी सेकते हुए ठेकेदार के गुर्गा उर्फदल्ला नईम ने माही की गूंज की कलम को प्रभावित करने हेतु, प्रतिनिधियों को धमकाने का प्रयास करवाया गया। इतना ही नहीं शराब दुकान का कर्मचारी अपने साथियों के साथ एक ऐसे व्यक्ति को धमकाने के लिए घर पहुंचा जिसे माही की गूंज से कोई लेना-देना नहीं था। लेकिन गूंज में प्रकाशित फोटो उस व्यक्ति के द्वारा दिए गए है इस शंका पर धमकाया गया, जब उसके पिता ने उस कर्मचारी व शेखी सेकने वाले गुर्गें नईम को कहा, मेरे बेटे को हाथ भी लगाकर देख लेना, जिसके बाद शेखी सेकने वाला दल्ला उर्फशराब माफिया का गुर्गा नईम गिरगिट की तरह रंग बदलकर बात करने लगा।

अंत में यही कि, माही की गूंज को माफिया कितना भी धमकाने का प्रयास करें, परंतु वह प्रयास असफल ही रहेगा और माही की गूंज अपनी कर्तव्य निष्ठा के साथ अपना कर्म करती रहेगी।

मोबिलाइजर चयन प्रक्रिया में सब गोलमाल ही गोलमाल

माही की गूंज, भामल। नारायण पालरा

मोबिलाइजर चयन प्रक्रिया में सब गोलमाल झाला ही सामने आ रहा है, वही एक प्रदेश में ही चयन प्रक्रिया में अपनी मर्जी से अलग जिले ही नहीं हर पंचायत व ब्लॉक स्तर पर अलग-अलग चयन प्रक्रिया का हवाला भी दिया जा रहा है।

मोबिलाइजर चयन प्रक्रिया में 12 वीं तक अध्ययनरत होकर मेरिट आधार पर चयन करना है जिसका आवेदन देने की तिथि 18 जनवरी से बढ़ाकर 25 जनवरी की गई थी, चयन प्रक्रिया में परीक्षा में प्राप्त अंक के साथ एससी-एसटी, महिला, कंप्यूटर व अनुभव के अंक सम्मिलित कर कुल अंक में जो प्रथम ग्रेट पर है उसका चयन होना है। वहीं पंचायत स्तर पर ही प्रथम दृष्टिया परीक्षा प्राप्त के बाद मिलने वाले अंकों में गड़बड़ी कर अपने नजदीकी परिचित व पहले से कोई मोटी लेन-देन की बात कर लेता है, उसे सभी आवेदन प्राप्त होने के बाद अंको में गड़बड़ी कर अन्य आवेदकों की छोटी-बड़ी त्रुटियां बताकर उसे दूसरे, तीसरे, चौथे स्थान पर लाकर अपने चहितों को प्रथम ग्रेट पर लाकर चयन प्रक्रिया में कार्य किया जा रहा है।

ऐसा ही एक मामला थांदला ब्लाक के भामल ग्राम पंचायत में 9 फरवरी को देखने को मिला, ग्राम पंचायत भामल में अशासकीय व्यक्ति मुकेश भोदरिया जाति निनामा को सचिव दरियावर सिंह व सहायक सचिव ने अपने पंचायत संबंधी शासकीय कार्य करने हेतु अनाधिकृत रूप से रख रखा है। मुकेश भोदरिया ग्राम पंचायत की यूजर आईडी प्राप्त करने के साथ पंचायत के सभी ऑनलाइन कार्य भी करता है और आरोप है कि, वह सचिव एवं सहायक सचिव के साथ सरपंच के कहने पर खुलेआम पंचायत में बैठ कार्य कर समग्र आईडी में त्रुटि

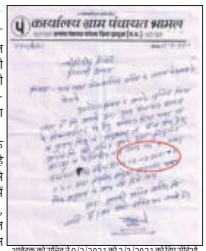

आवेदक को सचिव ने 9/2/2021 को 2/3/2021 को ऐप सीईओ के निर्देश पर नहीं दिए अंक का किया उल्लेख।

सचिव अपने चहेते के पक्ष में दिखा रहा अपनी कारस्तानी।

सुधार या आदि कोई संशोधन ऑनलाइन कार्य रहवासियों के होते हैं, उसे करने के नाम पर मोटी रकम भी वसूलता है। उसी मुकेश को मोबिलाइजर में दो आवेदनकर्ता को अनुभव के अंक नहीं देकर ग्रेट एक पर लाकर धोखाधड़ी करने का कार्य सचिव एवं पंचायत के नुमाइंदों ने किया है।

बता दें कि, ग्राम पंचायत में कुल 13 आवेदन प्राप्त हुए हैं जिसमें मुकेश भोदरिया को 12 वीं में 33.86 अंक, स्तानक के 4.21, एसटी 10, कंप्यूटर अनुभव के 10 व अनुभव प्रमाण-पत्र के 5 अंक देने के साथ 63.1 अंक के साथ प्रथम स्थान पर नाम अंकित किया, जबकि सीता पिता धनसिह चरपोटा परीक्षा प्राप्तांक 27.24 स्तानक के 4.92, एसटी के 10, महिला के 10, कंप्यूटर अनुभव के 10 अंक देकर कुल 62.16 अंक देकर द्वितीय स्थान पर नाम अंकित किया। सीता पिता धन सिंह चरपोटा ने आरोप लगाया कि, मेरे द्वारा अतिथि शिक्षक का अनुभव प्रमाण-पत्र आवेदन के साथ दिया, लेकिन सचिव ने अनुभव प्रमाण-पत्र में अतिथि शिक्षक का प्रमाण-पत्र मान्य नहीं होगा कहकर नहीं लिया। जबकि रतलाम जिले में जारी मोबिलाइजर लिस्ट में अतिथि शिक्षक के अनुभव प्रमाण-पत्र पर 5 अंक देकर उन्हें चयन प्रक्रिया में शामिल किया गया। उक्त बात का मय प्रमाण-पत्र के साथ सचिव को हवाला देकर 3 फरवरी को अनुभव प्रमाण-पत्र के अंक देने हेतु अतिथि शिक्षक का प्रमाण-पत्र दिया गया।

परंतु अपनी मर्जी से 2 फरवरी को चस्पा की गई लिस्ट के बाद 5 अंक नहीं दिए गए का हवाला सचिव के द्वारा लिखित प्रमाण-पत्र के साथ दिया जा रहा है, अगर सचिव आवेदन के साथ दिए उक्त अनुभव प्रमाण-पत्र को लेकर 5 अंक मिलने पर सीता के 67.16 अंक होकर प्रथम स्थान पर रहती।

वहीं चौथे नंबर पर दर्ज नाम दिलीप पिता जालु डिंडोर ने आवेदन के साथ किसान मित्र का अनुभव प्रमाण-पत्र दिया, लेकिन 9 फरवरी को यह कहकर खारिज कर दिया कि, 2 फरवरी को सीईओ थांदला श्री हालु ने मौखिक निर्देश में कहा कि, किसान मित्र का अनुभव प्रमाण-पत्र प्राप्त नहीं कर अंक नहीं दिए जावे। दिलीप ने आरोप लगाया कि, आपने चहेतो को मोबिलाइजर चयन प्रक्रिया में प्रथम स्थान पर लाने हेतु सचिव ने पहले तो सीता का अनुभव प्रमाण-पत्र की प्राप्त नहीं किया और जब रतलाम का हवाला देकर दिया तो, आवेदन के साथ अनुभव प्रमाण-पत्र क्यों नहीं दिया कहकर धोखाधड़ी की गई। वही मुझे बिना अनुभव प्रमाण पत्र के 61.82 अंक प्राप्त है और मेरे द्वारा जो अनुभव प्रमाण-पत्र दिया गया था, उसके अंक नहीं मिलना थे या ऐसे कोई आदेश थे तो, मैंने किसान मित्र के साथ अन्य जगह भी कार्य किया था, मैं उसका भी अनुभव प्रमाण-पत्र दे देता, परंतु मुझे भी धोखे में रख सचिव ने 9 फरवरी को मांगे जाने पर लिखकर दिया गया कि, 2 मार्च 2021 को थांदला जनपद में मीटिंग की ओर मीटिंग के दौरान और सीईओ साहब ने किसान मित्र अनुभव प्रमाण-पत्र पर 5 अंक नहीं दिए जाए के आदेश मौखिक दिए थे, जिस पर मुझे अनुभव के 5 अंक नहीं दिए गए। अगर मेरे साथ भी धोखाधड़ी नहीं कर 5 अंक दिए जाते तो, सीता के बाद 66.82 अंक होते और मैं प्रथम स्थान पर होता और वही मुकेश तीसरे स्थान पर।

सचिव की कारस्तानी व धोखाधड़ी इसी बात से सामने आ रही है कि, 9 फरवरी 2021 को मुझे 2 मार्च 2021 का हवाला देकर सीईओ के मौखिक आदेश का कहकर मुझे अनुभव के नंबर नहीं दिए गए, जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि, सचिव अपनी कारस्तानी को किस तरह से अंजाम दे रहा है और फरवरी माह की मीटिंग मार्च माह में हुई का लिखित प्रमाण देकर लोगों को धोखा दे रहा है।

सीता व दिलीप ने मामले को उच्च स्तर तक ले जाने की बात माही की गूंज को कहीं है।

सड़कों तक अतिक्रमण यातायात हो रहा बाधित

माही की गूंज कुन्दनपुर, कृष्णपाल सिंह ठाकुर

बाजार की मुख्य सड़क पर हुए अतिक्रमण के बाद हाल ये है कि, यहां ज्यादातर ठेला दुकान ही दिखाई देती है। गांव की ऐसी कोई गली नहीं बची है जहां अतिक्रमण न हों। सड़क तक किए जा रहे अतिक्रमण के कारण वाहनो की आवाजाही में काफी परेशानी होती है और हर बार जाम लग जाता है और आम लोगो को आवाजाही में परेशानी का सामना हर रोज करना पड रहा है पर जवाबदार है कि, इस और देखकर भी अनदेखी कर रहे है। मुख्य सड़क के अलावा आज़ाद चौक, कुमार मोहल्ला, पंचायत भवन आदि जाने वाले मार्ग पर सुबह से ही दुकान लग जाती है जो दिन भर यातायात को बाधित करती है। वहीं सोमवार को कोविड-19 के चलते अघोषित हाट बाजार के दिन तो दोपहीया वाहन भी निकालने में मुख्य मार्ग पर परेशानी होती है और इस संभव दुर्घटना का अंदेशा बना रहता है। सड़को पर होने वाले अतिक्रमण पर स्थानिय पंचायत व प्रशासन हमेशा से ही खामोश रहता है और इस तरफकोई ध्यान नही दे रहा है।

सीएमओ पर एफआईआर दर्ज करने दिया आवेदन

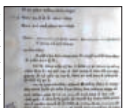

माही की गूंज, थांदला। लॉकडाउन मे नगर परिषद द्वारा की गई नीलामी प्रक्रिया का मामला तूल पकडता जा रहा है, एडव्होकेट राकेश पाठक ने अनुविभागीय अधिकारी पुलिस एमएस गवली को एक लिखित आवेदन प्रस्तुत कर मुख्य नगर पालिका अधिकारी अशोक चौहान के खिलाफलॉकडाउन उल्लघंन के लिए धारा 51 (बी), 60 आपदा प्रबधंन धारा 269, 270, 271, 188, भादवि के तहत प्रकरण दर्ज करने की मांग की है। पाठक ने आवेदन मे बताया कि, शासन के सख्त लाकडाउन मे जिस समय लोगो को घरो मे ही रहने के निर्देष थे, एसे लोगो को एकत्र करने का आव्हान करना एक गंभीर अपराध की श्रेणी मे आता है, इसी वजह से पुलिस ने गुजरात राज्य से पैदल अपने घर लौट रहे लोगो के खिलाफ भी प्रकरण दर्ज किया था। जबकि मुख्य नगरपालिका अधिकारी ने स्वयं स्वीकार किया है कि, उन्होने लॉकडाउन मे नीलामी प्रक्रिया सम्पन्न की फिर क्यो न उनके खिलाफप्रकरण दर्ज किया जाए। पाठक ने मांग की है कि, सीएमओ को पुलिस रिमांड पर लेकर नीलामी प्रक्रिया मे सम्मिलित होने वाले लोगो के नाम पुछे जाए तथा उनके खिलाफभी प्रकरण दर्ज किया जाए।

गौतम ग्रुप ट्राफी 14 फरवरी से शुरू, होगा क्रिकेट का महासंग्राम

आपीएल की तर्ज पर पहली बार आयोजित पीपीएल, विकास खण्ड के खिलाडियों के बीच होंगे मुकाबले

माही की गूंज, पेटलावद।

इलेवन स्टार क्रिकेट क्लब पेटलावद के तत्वावधान में आयोजित होने वाली गौतम ग्रुप ट्राफी इस वर्ष बिल्कुल नए कलेवर में 14 फरवरी से शुरू हो रही है, 14 से 21 फरवरी तक आयोजित होने वाले इस क्रिकेट टूर्नामेंट को इस बार आईपीएल की तर्ज पर पेटलावद प्रीमियम लीग (पीपीएल) के रूप में आयोजित किया जाएगा, जिसमे केवल पेटलावद विकास खण्ड के खिलाड़ियों को शामिल किया गया है।

8 टीमें लेंगी हिस्सा, खिलाड़ियों की हुई नीलामी

पीपीएल में कुल 8 टीमें हिस्सा लेंगी, जिसकी फ्रेंचाइजी स्थानीय लोगो द्वारा ली गई, कौन खिलाड़ी किस टीम से खेलेगा इसके लिए पेटलावद तहसील क्षेत्र के 250 से अधिक क्रिकेट खिलाड़ियों में अपनी इंट्री करवाई थी जिसमे में 120 के लगभग खिलाड़ियों का चयन किया गया था। सभी 8 फ्रेंचाइसियो ने कमेटी के नियमानुसार एबीसी कैटिगिरी के 05-05 खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया जिसके लिए सभी खिलाड़ियों को तय की राशि का भुगतान फ्रेंचाइसियो द्वारा किया जाएगा।

इनामों की बौछार, स्थानीय खिलाड़ियों के पास होगा नाम बड़ा करने का मौका

जल्द ही सभी 8 फ्रेंचाइसियो द्वारा अपनी अपनी टीमो के नाम के साथ-साथ ड्रेश कॉर्ड जारी करेंगे, पूरा आयोजन किट पहन कर खेला जाएगा, जिस पर टीम मालिक अपने हिसाब से विज्ञापन के लोगो लगा सकते है। आयोजन में इनामों की बौछार भी खिलाड़ियों पर होगी विजेता सहित उपविजेता और सेमीफइनल में पहुचाने वाली टीमो को नगद राशि ओर पीपीएल ट्रॉफी दी जाएगी। प्रथम इनाम 51 हजार रूपए पूर्व विधायक निर्मला भूरिया, द्वितीय इनाम 31 हजार रूपए गौतम ग्रुप पेटलावद, तृतीय इनाम 21 हजार रूप्र पत्रकार संघ पेटलावद और चतुर्थ इनाम 11 हजार रूपए इलेवन स्टार की और दिया जाएगा साथ है खेल की हर विधा में अच्छा प्रदर्शन करने वाले को व्यक्तिगत पुरुस्कार और ट्रेफिया दी जाएगी।

एक दिन में 4 मैच, आयोजन को लेकर जबरदस्त उत्साह

7 दिन तक होने वाले इस आयोजन में प्रतिदिन 4 मैच खेले जाएगे, जो 10-10 ओवर के होंगे। जिस प्रकार से टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है उसको लेकर न केवल खिलाड़ियों में बल्कि खेल प्रेमियो में भी जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है, टूर्नामेंट के दौरान हजारों की भीड़ उमड़ने की उम्मीद है। हालांकि टूर्नामेंट में 120 खिलाड़ियों को ही शामिल किया गया है जिससे कई खिलाड़ियों में मौका नही मिलने से निराशा का माहौल है जिससे टूर्नामेंट के आयोजन को लेकर उत्साह को समझा जा सकता है हर खिलाड़ी एक बार इस आयोजन में खेलने के लिए मैदान में उतरना चाहता है।

तैयारियां लगभग पूर्ण, भरपूर मनोरंजन की व्यवस्था खेल प्रेमी जरूर आए- गौतम गेहलोत

पूरे आयोजन के कर्ता-धर्ता समाज सेवी संस्था गौतम ग्रुप के गौतम गेहलोत ने बताया कि, आयोजन को लेकर तैयारियां लगभग पूर्ण कर ली गई है पूरे मैदान को आयोजन के लिए विशेष रूप से सजाया जा रहा है, खेल प्रेमियों के लिए मैदान के बहार भी मनोरंजन की व्यवस्था डीजी साउंड, नाश्ता हाउस, टी ओर आइसक्रीम स्टाल, ढोल, टेडीबियर, विशेष अतिथियों के लिए बड़े मंच की व्यवस्था सहित कई प्रकार की व्यवस्था रहेगी। गौतम गेहलोत ने कहा है कि, यदि आयोजन को मन चाही सफ्लता मिली तो आगे इस प्रकार और आयोजन किए जाएगे। पीपीएल के आयोजनकर्ता इलेवन स्टार क्रकेट क्लब और गौतम ग्रुप ने खेल में शामिल खिलाडियों के उत्साह बढ़ाने और खेल का आनंद लेने के लिए दर्शकों को आने का आह्वान किया है।

पर्याप्त सुविधा मुहैया करवाने के लिए ब्लड डोनेशन टीम ने कलेक्टर को दिया आवेदन

माही की गूंज, थांदला। सरकारी अस्पताल भले ही कागजो में सिविल अस्पताल बन गया हो लेकिन सुविधाओ के मामले स्थिति जस की तस बनी हुई है, सिविल हॉस्पिटल में इलाज हेतु पर्याप्त उपकरण न होने से आए दिन मरीज को बाहर रेफर करना पड़ता है, जिससे कई बार इमेरजैंसी हालात वाले मरीज की जान जाने तंक की नोबत आ जाती है इसी मांग को लेकर सोमवार को ब्लड डोनेशन टीम के सदस्यों ने जिला कलेक्टर ऑफिस झाबुआ जाकर कलेक्टर को मांग पत्र सोपा एव जल्द से जल्द अस्पताल में इलाज के लिए पर्याप्त उपकरण उपलब्ध कराने की मांग की जिस पर कलेक्टर ने जल्द से जल्द इस पर अमल करने की बात कही।

फर्जी तरीके से क्लीनिक चलाने वाले दो डॉक्टरों पर एफआईआर दर्ज

माही की गूंज, मेघनगर। जिला प्रशासन द्वारा फर्जी तरीके से क्लीनिक चलाने पर मेघनगर में कई डॉक्टरों पर कार्रवाई की गई, जो डॉक्टर फर्जी पाए गए उन्हें थाने पर ले जाया गया एवं उनके सारे दस्तावेज 2 दिन में जमा कराने को कहा गया, परंतु वह सही नहीं पाए जाने पर बुधवार को डॉक्टरो के ऊपर एफआईआर की गई। एसडीएम और बीएमओ ने प्रशासकीय अमले के साथ कार्रवाई करते हुए नगर के 2 डॉक्टर के खिलाफएफआईआर दर्ज करवाई है। जानकारी देते हुए एसडीएम एलएन गर्ग और बीएमओ डॉ शैलश्री वर्मा ने बताया कि, लगातार इस तरह की शिकायत मिल रही थी कि, बिना डिग्री के कुछ लोग नगर में मरीजों के स्वास्थ के साथ खिलवाड़ कर उनका इलाज कर रहे है, इसी के तहत प्रशासन ने छापामार कर औचक निरीक्षण कर कार्यवाही की थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार असीम विश्वास बस स्टैण्ड, मो. अयूब पर अयोग्य पाए जाने पर एफआइआर की गई।

सामाजिक संगठनो ने भाजपा जिलाध्यक्ष पर मामला दर्ज करने तहसीलदार को दिया ज्ञापन

माही की गूंज, झाबुआ। जिले मे आदिवासी अत्याचार की विभिन्न घटनाओ के खिलाफसमाज के विभिन्न संगठनो की और से मुख्यमंत्री के नाम झाबुआ सहीत कालिदेवी, थांदला आदि कई स्थानो से ज्ञापन सौपा गया। ज्ञापन मे बताया गया कि, भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मणसिंह नायक ने मेघनगर मे पदस्थ शिक्षक मानसिंह भूरीया को सरकार व सत्ता का रौब दिखाकर डराया, धमकाया तथा नौकरी से हटाने की भी धमकी दी व एक महिला के साथ अशलील बातचीत का आडियो वायरल होने से उनको पद पर रहने का कोई अधिकार नही है, इनके खिलाफप्रकरण दर्ज किया जाए व ग्राम नौगावां की बालिका के साथ बलात्कार की घटना पर रानापूर निवासी पंकज शर्मा द्वारा सोषल मीडीया पर अषोभनीय टिप्पणी करने पर उनके विरूद्ध भी मामला दर्ज किया जाए। साथ ही हाल ही मे उदयगड़ कांग्रेस नेता कमरू अजनार द्वारा बिरसा मुंडा के खिलाफ अषोभनीय व आपत्तिजनक टिप्पणी करने पर आदिवासी समाज मे रोष है।

वनवासी सशक्तिकरण केन्द्र का किया निरिक्षण

माही की गूंज, खव्वरटौडी (मेघनगर)।

मेघनगर विकासखण्ड के अन्तर्गत आने वाले ग्राम बडा घोसलिया में स्थित सेवा भारती द्वारा संचालित वनवासी सशक्तिकरण केन्द्र का निरिक्षण अखिल भारतीय सह सेवा प्रमुख राजकुमार मटाले ने किया। सेवा भारती का यह केन्द्र सामाजिक सरोकार के विभिन्न कार्य पिछले कई वर्षो से कर रहा है, जिसमें शिक्षा, स्वावलंबन, चिकित्सा सहित सामाजिक समरसता के विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। राजकुमार मटाले ने केन्द्र में संचालित गोशाला को देखा ओर गायों को गुड खिलाया, इसके अलावा ओषधिकेन्द्र, हाईड्रोपोनिक्स खेती, मशरुम की खेती एंव छात्रावास में रह रहे बच्चों द्वारा किए गए विभिन्न सामाजिक कार्य, दिवार पर लगे चित्रों का अवलोकन भी किया। छात्रावास के बच्चों ओर कार्यकर्ताओं से मिलने के बाद अपने अनुभव सुझाव पुस्तिका में लिखे।

मोबिलाइजर पद की भर्ती में लगातार हो रहे हेरा-फेरी के खुलासे

ग्राम पंचायत बेड़दा में महिला अभ्यर्थी ने फिर लगाया हेरा-फेरी का आरोप, दर्ज करवाई लिखित आपत्ति

माही की गूंज, पेटलावद।

जिले सहित विकास खण्ड की ग्राम पंचायतों में होने वाली मोबिलाइजर पद की भर्ती पर अब सवाल खड़े होने लगे है, जैसे-जैसे ग्राम पंचायतों द्वारा मोबोलाइजर पद के लिए सूची जारी की जा रही है वैसे-वैसे पंचायत में आपत्तियों का दौर शुरू हो गया है, पुर्व में तारखेड़ी पंचायत में मामला सामने आ चुका है। विकास खण्ड पेटलावद की बेड़दा पंचायत में भी पद को लेकर ग्राम पंचायत पर हेरा-फेरी का आरोप लगाते हुए पात्र महिला को बहार करने का आरोप लगा है।

आवेदन की प्रति जिसमे सभी जरूरी दस्तावेज पर सही का निशान लगा है।

महिला अभ्यर्थी ने लगाया आरोप सचिव ने नही दिए पात्रता अनुसार अंक

ग्राम पंचायत बेडदा में मोबिलाइजर पद के लिए कुल 16 लोगो ने आवेदन दिए है, ग्राम पंचायत ने 1 फरवरी को सूची जारी की जसमे आवेदनकर्ता के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजो के आधार पर अंक दिए एए, जिसके अनुसार राजेन्द्र सिंह सबसे अधिक अंकों के साथ प्रथम रहे वही दूसरे स्थान पर काली पिता विजयसिंह रही। 1 फरवरी को ही सूची में ग्राम पंचायत ने फिर सुधार किया जिसके अनुसार पहले जारी सूची में दूसरे स्थान पर रही महिला को तीसरे स्थान पर बताया गया।

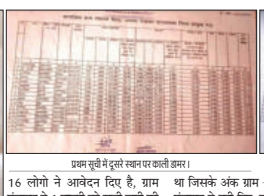
प्रथम सूची में दूसरे स्थान पर काली डामर।

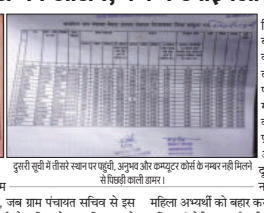
दूसरी सूची में तीसरे स्थान पर पहुंची, अनुभव और कम्प्यूटर कोर्स के नम्बर नही मिलने से पिछड़ी काली डामर।

आवेदनकर्ता काली का कहना है कि, ग्राम पंचायत ने मुझे सभी दस्तावेजो अनुसार अंक नही दिए, मेने अनुभव प्रमाण-पत्र और कम्प्यूटर डिप्लोमा भी लगाया था जिसके अंक ग्राम पंचायत ने नही दिए, जब ग्राम पंचायत सचिव से इस संबंध में बात कि गई तो सचिव ने कहा कि, आपने कम्प्यूटर डिप्लोमा और अनुभव प्रमाण-पत्र नही लगाया है।

नम्बर जोड़ने के लिए दिया आवेदन

मोबिलाइजर पद आवेदनकर्ता ने ग्राम पंचायत सचिव पर जमा आवेदन फर्म में से दस्तावेज कम करने का आरोप लगाते हुए जनपत सीईओ और अनुविभागीय अधिकारी को आपत्ति पेश की है, जिसमे महिला अभ्यर्थी ने अन्य दो प्रमाण-पत्र के आधार पर अंक जोड़कर फिर से सूची जारी करने की मांग की है। शिकायतकर्ता काली ने बताया कि, आवेदन की कॉपी के साथ जो दस्तावेज दिए गए है उस पर टिक मार्ग भी किया गया है और यदि मेरे पास कम्प्यूटर और अनुभव का प्रमाण-पत्र है तो में आवेदन के साथ क्यो नही दूगी ये बड़ा प्रश्न है। कही न कही ग्राम पंचायत ने महिला अभ्यर्थी को बहार करने के लिए ऐसा किया है, यदि यहां मेरी सुनवाई नही हुई तो इसकी शिकायत जिला कलेक्टर को करूंगी।

कई पंचायतो में सामने आए मामले

विकास खण्ड की एक दो नही कई पंचायतो में इस प्रकार के मामले सामने आ रहे है बरवेट, बचीखेड़ा, करवड़, तारखेड़ी, बेडदा, झावलिया, गेहण्डी, सहित कई पंचायतो के मोबिलाइजर पद के लिए आवेदन करने वालो ने ग्राम पंचायत पर हेरा-फेरी का आरोप लगाते हुए योग्य उमीदवार को बहार करने के मामले सामने आए है जो जांच का विषय है।

संपादकीय

किसान आंदोलनः चक्काजाम का असर सीमित और क्षेत्रीय

किसान आंदोलन के 'चक्का जाम' का असर सीमित और क्षेत्रीय रहा। पंजाब और हरियाणा में असर स्वाभाविक था, क्योंकि आंदोलन बुनियादी तौर पर इन दो राज्यों के किसानों का ही है। यदि 75 दिन पुराने आंदोलन के पक्ष में देश की ज्यादातर जनता के दावे न्यायसंगत हैं, तो 'चक्का जाम' राष्ट्रीय क्यों नहीं हो पाया? दुखी और तत्ख जनता की प्रतिक्रियाएं टीवी चौनलों पर छाई रहीं। कई किसान नेताओं ने कथित विवादास्पद कानूनों का समर्थन क्यों किया? राजस्थान के 4-5 जिलों तक ही सिमटा रहा चक्का जाम! छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार है और महाराष्ट्र में कांग्रेस-एनसीपी-शिवसेना की साझा सत्ता है। वहां की सड़कों पर परिवहन क्यों जारी रहा? जाम के अपवादस्वरूप कुछ छिटरे हुए प्रदर्शन जरूर हुए। तेलंगाना और आंध्रप्रदेश में भाजपा की विपक्षी सरकारें हैं। वहां चक्का जाम फ्लॉप क्यों रहा? मप्र, गुजरात, कर्नाटक आदि राज्यों में भाजपा सरकारें हैं, लिहाजा दलील दी जा सकती है कि किसानों को सड़क और राजमार्गों पर उतरने से जबरन रोका गया। इन राज्यों में कांग्रेस की अच्छी-खासी राजनीतिक ताकत है। केरल में तो लाल झंडे वालों की सरकार है, वहां चक्का जाम अपेक्षाकृत व्यापक और असरदार क्यों नहीं दिखा? दरअसल हमारा मकसद आंदोलन और चक्का जाम की कामयाबी अथवा नाकामी की मीमांसा करना नहीं है, लेकिन अहम सवाल यह है कि आखिर किसान आंदोलन कब तक जारी रहेगा?

क्या कोई भी आंदोलन महज एक जिद के आधार पर अनिश्चितकाल तक चलाया जा सकता है? इस संदर्भ में राज्यसभा में कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर का यह सवाल हमें उचित लगा कि कमोबेश किसान या कांग्रेस-वामपंथी नेतृत्व का विपक्ष यह तो बिंदुवार बताएं कि कानूनों में 'काला' क्या है? हम आंदोलित किसानों की मेधा और समझ को भी चुनौती नहीं दे रहे हैं, लेकिन केंद्र सरकार और किसानों के बीच 11 दौर की बातचीत और किसान नेताओं की विभिन्न चर्चाओं में भागीदारी के बावजूद हम यह नहीं जान पाए हैं कि कानून में आपत्तिजनक क्या है? कौन से प्रावधान किसान को मजदूर बना सकते हैं? जहां तक ठेके की खेती का सवाल है, तो पंजाब समेत 20 से ज्यादा राज्यों में यह व्यवस्था जारी है। गन्ना पैदा करने वाले किसानों का गन्ना-मिलों के साथ क्या व्यवस्था है? जाहिर है कि करारों के तहत दोनों पक्ष काम कर रहे हैं। पंजाब के किसान कानून में तो 5 साल की जेल का प्रावधान किसानों के लिए है, जबकि केंद्रीय कानूनों में तमाम प्रावधान किसानोन्मुखी हैं। यदि 75 दिन के आंदोलन के बावजूद आपसी मतभेद के बिंदु देश के सामने स्पष्ट नहीं हैं, तो हमें लगता है कि आंदोलन पूरी तरह 'राजनीतिक' है। यहां उल्लेख कर दें कि चक्का जाम के दौरान भी एटक, सीटू, एसएफआई और जनवादी महिला समिति आदि के बैनर और झंडे दिखाई दिए। देश जानता है कि ये संगठन वामपंथी दलों के सहयोगी हैं। जाम के दौरान इन संगठनों के कार्यकर्ताओं द्वारा दिल्ली में विरोध-प्रदर्शन करने पर उन्हें हिरासत में भी लिया गया था।

दरअसल हमारी सोच है कि कोई भी संगठन और आंदोलन शेष राष्ट्र से ज्यादा महत्वपूर्ण नहीं आंका जा सकता। किसानों की मांगें एक पक्ष हैं, तो देश की अर्थव्यवस्था और आर्थिक गतिविधियों पर चस्पा जाम दूसरा पक्ष है। औद्योगिक संगठनों के बार-बार आकलन सामने आए हैं कि किसान आंदोलन से अर्थव्यवस्था संकट के दौर में पहुंच रही है। अभी तो कोरोना महामारी और लॉकडाउन के 'ग्रहण' ही नहीं छंटे हैं। एक आकलन के मुताबिक, औसतन 50,000 ट्रक हररोज दिल्ली में आते रहे हैं और करीब 30,000 ट्रक माल ढोकर दिल्ली से अन्य राज्यों को जाते रहे हैं। यह आवाजाही करीब 20 फीसदी रह गई है। आंदोलन के कारण जिन टोल पर टैक्स नहीं लिया जा सका, उसका नुकसान 600 करोड़ रुपए बताया गया है। करीब 9300 करोड़ रुपए के किसान कर्ज खतरे में पड़ गए हैं। औद्योगिक उत्पादन, खाद्य, कपड़ा, फर्नीचर, परिवहन, पर्यटन और होटल आदि उद्योगों पर बुरा असर पड़ा है। उनकी सप्लाई चेन ही टूट गई है। औद्योगिक संगठनों-फिक्की, एसोचैम, सीआईआई-का आकलन है कि करीब 4000 करोड़ रुपए रोजाना का औसतन नुकसान हो रहा है। किसान इन दलीलों को नहीं मानते, जबकि यह पूरी दुनिया के सामने है कि आंदोलन के कारण सड़कें और राजमार्ग किस कदर अवरुद्ध हैं। बेशक इनमें पुलिस की किलेबंदी और कीलबंदी का भी योगदान है, लेकिन चिंता तो यह होनी चाहिए कि अब आंदोलन का कोई निष्कर्ष सामने आना चाहिए। यह सरकार और किसान संगठनों को ही तय करना है।

जंग जारी कृषि कानूनः खून से खेती या खेती का खून?

ओमप्रकाश मेहता
लेखक

करीब पचहत्तर दिनों से कथित कृषि काले कानून को लेकर जारी किसान आंदोलन को लेकर सरकार की तल्खी बढ़ती जा रही है, सरकारी प्रशासन जहां दिल्ली के प्रवेश द्वारों पर नुकीलें सरिये गाड़ रहा है, वहीं केन्द्रीय कृषि मंत्री जी का संसद में क्रोध चरम पर पहुंच रहा है और उनकी टिप्पणियों को संसद की कार्यवाही से हटाना पड़ रहा है, वहीं यदि आंदोलनरत किसानों की कार्यशैली ठीक सरकारी प्रशासन की निर्मम कार्यवाही के बिल्कुल उलट है। आंदोलनरत किसान नेता कटीले तारों व नुकीले सरियों की जगह मिट्टी डलवाकर फूलों व अनाज के पौधों रोप रहे है। जहां तक केन्द्र सरकार का सवाल है, वह 26 जनवरी को घटित लाल किला काण्ड से अभी भी इतनी डरी-सहमी है कि वह किसानों के प्रत्येक कदम पर पुलिस व सुरक्षाकर्मियों की छावनियां स्थापित कर रही है, सरकार की इसी परेशानी की भांप कर किसान नेता राकेश टिकैत ने शनिवार को घोषित तीन घण्टे के राजमार्गीय चक्का जाम से दिल्ली, उत्तरप्रदेश व उत्तराखण्ड को मुक्त कर दिया।

अब तक किसानों के इस आंदोलन को कांग्रेस सहित करीब दो दर्जन छोटे-बड़े प्रतिपक्षी दलों का समर्थन था, यद्यपि इन्हें आंदोलनरत किसानों ने उनके साथ मंच साझा भी नहीं करने दिया, संसद में भी प्रतिपक्षी दल किसान आंदोलन का खुलकर समर्थन कर रहे है, किंतु अब एक आश्चर्यजनक तथ्य यह सामने आ रहा है कि केन्द्र में सत्तारूढ़ भाजपा को भी इस आंदोलन की राजनीतिक दृष्टिकोण से चिंता सताने लगी है, क्योंकि पंजाम-हरियाणा का जाट समुदाय इस आंदोलन से जुड़ा है जो पंजाब-हरियाणा में भाजपा का मुख्य आधार वोट है, शायद इसी तथ्य को दृष्टिगत रखते हुए अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस किसान आंदोलन के सुखद समापन के बारे में गंभीर चिंतन शुरू कर दिया है, किंतु देश महसूस कर रहा है कि इस विवाद को लेकर पिछले ढ़ाई महीने में कृषि मंत्री जी इतने अधिक परेशान हो गए है कि उनकी तल्खी अब खुलकर सामने आने लगी है, शायद कृषि मंत्री के इसी रूख के कारण किसान आंदोलन के प्रमुख किसान नेता राकेश टिकैत ने अब सीधे-सीधे प्रधानमंत्री जी से ही विवाद के बारे में चर्चा करने की ठान ली है, उन्होंने यह कहते हुए कृषि मंत्री को और चिढ़ा दिया कि कृषि मंत्री वही बोलते है जो उनके अधिकारी उन्हें लिखकर दे देते है, इसलिए अधिकारियों का कथन मंत्री के मुंह से सुनने की अपेक्षा अब प्रधानमंत्री से ही इस बारे में चर्चा होगी।

जो भी हो, किंतु अब यह तय है कि किसान संगठन और सरकार दोनों ही चाहते है कि इस आंदोलन का सुखद समापन हो, शायद इसीलिए किसान नेता राकेश टिकैत ने सरकार को विवादित कानूनों को वापस लेने की आठ महीनों की मोहलत दे दी है और कहा है कि सरकार दो अक्टूबर 'गांधी जयंती' तक तीनों विवादित कृषि कानून वापस ले ले, वर्ना उसके बाद चालीस लाख ट्रेक्टरों की रैली पूरे देश में भ्रमण कर आंदोलन को तीव्र करने की अलख जगाएगी और तब तक किसानों का शांतिपूर्ण आंदोलन भी जारी रहेगा।

अब देश पर राज कर रही भाजपा की सबसे बड़ी और अहम चिंता यह है कि वह किसानों के आंदोलन से निपटे, अपने वोट समेटे या पश्चिम बंगाल सहित पांच राज्यों में निकट भविष्य में ही होने वाले विधानसभा चुनावों की रणनीति को अंजाम दे?

इस प्रकार किसान आंदोलन अब सरकार व सत्तारूढ़ दल दोनों के ही लिए अच्छ्र खासा 'सिरदर्द' बन चुका है, क्योंकि अब इस आंदोलन को विदेशी समर्थन भी मिलने लगा है, अमेरिका के बाद रूस और अब संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी किसानों के समर्थन में भारत सरकार को सीख दी है, इसलिए अब जरूरी हो गया है कि कृषि मंत्री जी को खेती और खून का तालमेल करने के बजाए तल्खी छोड़ शांति से आंदोलन के सुखद समापन के बारे में गंभीर चिंतन करना चाहिये।

कश्मीर समस्या और पाकिस्तान

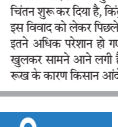

डॉ. वेद प्रताप वैदिक

पाकिस्तान में हर साल 5 फरवरी को कश्मीर-दिवस मनाया जाता है। इस साल पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान और सेनापति कमर जावेद बाजवा ने थोड़े सम्हलकर बयान दिए हैं। भारत के साथ गाली-गुफ्ता नहीं किया है। बाजवा ने कहा है भारत कश्मीर का कोई सम्मानपूर्ण हल निकाले लेकिन इमरान खान ने परंपरा से हटकर कोई बात नहीं की। पुराने प्रधानमंत्रियों की तरह उन्होंने कश्मीर पर संयुक्तराष्ट्र के प्रस्ताव को लागू करने, जनमत-संग्रह करवाने की बात कही और धारा 370 दुबारा लागू करने का आग्रह किया।

यहाँ इमरान खान से मेरा पहला सवाल यह है कि उन्होंने संयुक्तराष्ट्र संघ का 1948 का कश्मीर-प्रस्ताव पढ़ा भी है या नहीं? जब प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो ने उनसे मेरी पहली मुलाकात में यही बात इस्लामाबाद में कही थी, तब मैंने उनसे यही सवाल पूछा था। उनका असमंजस देखकर मैंने उस प्रस्ताव का मूलपाठ, जो मैं अपने साथ ले गया था, उन्हें पढ़वा दिया। उसकी पहली धारा कहती है कि जनमत-संग्रह के पहले तथाकथित 'आजाद कश्मीर' में से प्रत्येक पाकिस्तानी नागरिक को हटाया जाए। क्या इस धारा का आजतक पूरी तरह उल्लंघन नहीं हो रहा है? पाकिस्तानी नागरिक ही नहीं, फौज के हजारों जवान उस 'आजाद' कश्मीर को गुलाम बनाए हुए हैं।

1983 में जब इस्लामाबाद के 'इंस्टीट्यूट आफ स्ट्रेटजिक स्टडीज' में मेरा भाषण हुआ तो उसकी अध्यक्षता पाकिस्तान के प्रसिद्ध नेता आगा शाही कर रहे थे। वहाँ भी यही सवाल उठा तो मैंने उनसे उस आजाद कश्मीरी लेखक की ताजा किताब पढ़ने को कहा, जिसके अनुसार 'पाकिस्तानी कश्मीर' गर्मियों के दिन में विराट वेश्यालय बन जाता है।

आज असलियत तो यह है कि पाकिस्तान की फौज और नेता कश्मीर को लेकर थक गए हैं। उन्होंने हर पैंतरा आजमा लिया है। युद्ध, आतंक, अंतरराष्ट्रीय दबाव, इस्लाम को खतरे का नारा आदि। अब वे बातचीत का नारा लगा रहे हैं। बातचीत क्यों नहीं हो सकती? जरूर हो। क्या पाकिस्तान अपने कश्मीर को अलग करेगा? कदापि नहीं। कश्मीर के शानदार और खूबसूरत लोग पूर्ण आजादी का आनंद ले सकें, इसके लिए जरूरी है कि पाकिस्तानी फौज उसे अपने वर्चस्व का मोहरा बनाना बंद करे। धारा 370 का रोना रोने से अब कोई फायदा नहीं है। भारत और पाक इस कश्मीर की गुत्थी को कैसे सुलझाएं, इसपर विस्तार से फिर कभी!

मीडिया की आजादी और पत्रकारों के दमन का सवाल

स्वतंत्र पत्रकार मनदीप पुनिया को जमानत मिल गई है। लेकिन उनकी गिरफ्तारी और उन्हें जेल भेजे जाने की घटना से कई अहम सवाल उठ खड़े हुए हैं। ये सवाल मीडिया की आजादी और पत्रकारों के दमन से संबंधित हैं। मनदीप के बचाव पक्ष ने शुरू से कहा कि पुलिस की एफआईआर में कई गंभीर समस्याएं हैं। एफआईआर के मुताबिक कथित मारपीट और खींचतान की घटना और एफआईआर दर्ज होने के बीच करीब सात घंटे देर है। इससे पता चलता है कि एफआईआर दर्ज करने का फैसला बाद में लिया गया। जबकि आरोप पुलिसकर्मियों से मारपीट करने का था। ऐसी घटनाओं में इतनी देर आम तौर पर नहीं होती। पुलिस के मुताबिक सिंघु बॉर्डर पर बीते शनिवार को पुनिया ने सुरक्षा के लिए लगाए बैरिकेड को तोड़कर घुसने की कोशिश की और पुलिस कांस्टेबल को घसीटा। पुलिस का कहना है कि मनदीप ने अपना प्रेस पहचान पत्र भी नहीं दिखाया, जबकि उनके दूसरे साथी को प्रेस कार्ड दिखाने पर जाने दिया गया। लेकिन प्रेसकार्ड न होना मनदीप की गिरफ्तारी का कोई आधार नहीं हो सकता।

भारत में शायद ही किसी स्वतंत्र पत्रकार के पास प्रेस कार्ड होता है। आखिर किसी फ्रीलांस पत्रकार को ऐसा कार्ड कहां से हासिल हो सकता है? मनदीप पुनिया कारवां मैगजीन के लिए काम कर रहे स्वतंत्र पत्रकार हैं। हरियाणा के इज्जर के रहने वाले मनदीप पुनिया ने पंजाब विश्वविद्यालय से पढ़ाई की है और फिर दिल्ली स्थित भारतीय जन संचार संस्थान से पत्रकारिता का कोर्स किया है। यानी उनके पत्रकार होने पर कोई शक नहीं है। पत्रकार संगठनों ने उचित ही कहा है कि दरअसल यह चिंता की बात पूरे देश के लिए है कि किसी को पुलिस इसलिए उठा ले रहा है कि वह सिर्फ अपना काम कर रहा होता है। इस स्थिति में फ्रीलांस पत्रकारों के लिए खतरा कुछ ज्यादा ही बढ़ गया है। जबकि भारत में जमीनी रिपोर्टिंग अक्सर स्थानीय पत्रकार ही करते हैं, जिनके पास कोई स्थायी नौकरी नहीं होती। स्ट्रिंगर कहे जाने वाले पत्रकारों के पास किसी प्रेस-पहचान-पत्र की ढाल नहीं होती। तो क्या उन्हें पुलिस जब चाहे इस आधार पर गिरफ्तार कर सकती है? जहां तक पुलिस के काम में बाधा डालने की बात है, तो जेल भेजने के पहले उसका ठोस साक्ष्य भी जरूर सामने रखा जाना चाहिए। लेकिन आज ये सारी बातें एक तरह से निरर्थक लगती हैं। इसलिए पुलिस जो कर रही है, परोक्ष रूप से उसे सरकार का समर्थन मिला दिखता है।

चाणक्य नीति

जो व्यक्ति शास्त्रों के सूत्रों का अभ्यास करके ज्ञान ग्रहण करेगा उसे अत्यंत वैभवशाली कर्तव्य के सिद्धांत ज्ञात होंगे। उसे इस बात का पता चलेगा कि किन बातों का अनुशरण करना चाहिए और किनका नहीं। उसे अच्छाई और बुराई का भी ज्ञात होगा और अंततः उसे सर्वोत्तम का भी ज्ञान होगा।

एक सलाह

इंतजार मत करो, जितना तुम सोचते हो जिंदगी उससे कहीं ज्यादा तेजी से निकल रही है।

काम की बात

दुनिया में सब चीजें मिल जाती है, केवल अपनी गलती नहीं मिलती।

चमोली त्रासदीः जानकर भी अनजान होने का परिणाम

ऋतुपर्ण दवे

तो क्या चमोली में जो कुछ हुआ वह जलवायु परिवर्तन का नतीजा है या बेहद विकसित और साधन संपन्न होती दुनिया के लिए अभी भी चेत जाने की दस्तक? कुछ भी कहें लेकिन सच यह है कि अब से 8 महीने पहले ही वैज्ञानिकों ने आगाह कर दिया था और इसको लेकर जर्नल साइंस एडवांस 2019 में एक रिसर्च भी छपी थी जिसमें बड़े इलाके में ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने तथा इसको लेकर 40 वर्षों के अध्ययन जिसमें सैटेलाइट सर्वेक्षण और तस्वीरों के विश्लेषण का नतीजा भी शामिल है में अंदेशा जताया गया था कि ग्लोबल वार्मिंग से हिमालय के ग्लेशियर पिघल रहे हैं, इसे अनदेखा किया गया। आँकड़े और अध्ययन बताते हैं कि पिछले 25 वर्षों यानी 1975 से 2000 तक के मुकाबले 2000 से 2016 तक वहाँ का तापमान लगभग एक डिग्री सेल्सियस बढ़ा है। जहाँ वर्ष 2000 तक यानी बीते 25 वर्षों में केवल ग्लेशियरों से चौथाई मीटर तक बर्फ पिघलती थी वहीं 2000 के बाद पिघलन दर दो गुनी से भी ज्यादा हो गई। स्वाभाविक है कि सारा कुछ ग्लोबल वार्मिंग का खेल है, लेकिन हैरानी है कि गुपचुप ग्लेशियर पानी में तब्दील होते रहे और हुक्मरान व अफसरान सब बेखबर रहे! उन्हीं ग्लेशियरों का नतीजा रविवार को अपने रौद्र रूप में सात साल, सात महीने, 25 दिन बाद फिर सामने आया। इस बार भी देवभूमि उत्तराखंड ही फिर निशाना बनी।

अब इसे त्रासदी कहें या हादसा या फिर आप बुलाई आपदा जो भी, लेकिन सच यही है कि 2013 में भी इसी उत्तराखण्ड की केदरानाथ त्रासदी की रोंगटे खड़ी कर देने वाली तस्वीरें और रिपोर्ट्स चल चित्र जैसे घूमने लग जाती हैं। 16 जून 2013 की रात को उत्तराखण्ड ही क्या पूरा देश कभी भूल नहीं सकता। कुदरत के कहर की वैसी ही भयावह तस्वीरें फिर सामने हैं। फर्क बस इतना कि तबाही तो जमकर हुई लेकिन संतोष इसी बात का है कि तब के मुकाबले अब बहुत कम लोग काल कलवित हुए। हांलाकि सटीक आंकड़ा आने में अभी समय लगेगा, लेकिन नुकसान की तस्वीरों ने तब केदरानाथ का जो डरावना सच दिखाया था लगभग वैसा ही अब है। तब सरकारी आंकड़ों में 4000 से ज्यादा मानव मौतों की बात दर्ज है वहीं असल आँकड़ा 10000 हजार से ऊपर बताया जाता है। चमोली हादसे पर जान-माल का नुकसान तबके मुकाबले कम है जिसे ज्यादा सतर्कता बरत और कम किया जा सकता था।

दुनिया के तीसरे ध्रुव के नाम से पहचाने जाने वाले हिमालय को लेकर जितनी जानकारी है उससे यह संकट खत्म होने से रहा क्योंकि न तो ज्यादा डेटा है और न ही रिसर्च। आर्कटिक और अंटार्टिका के बाद दुनिया का तीसरा ध्रुव इसी हिमालय क्षेत्र को हिन्दू कुश भी कहते हैं। जो हिमालय क्षेत्र अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, चीन, भारत, किर्गिजस्तान, मंगोलिया, म्यांमार, नेपाल, पाकिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान तक यानी लगभग 5 मिलियन वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में फैला है। विशेषताओं की बात करें तो इस पूरे क्षेत्र में सांस्कृतिक रूप से संपन्न एक बड़ी आबादी रहती है। हाँ, यही वो अकेला क्षेत्र है जो ध्रुवीय क्षेत्रों से अलग बाहर की दुनिया में सबसे ज्यादा बर्फ इकट्ठा करता है इसीलिए इसको द थर्ड पोल भी कहते हैं। ऐसे में घूम फिरकर वही सच्चाई सामने आ जाती है कि हिमालय के ग्लेशियरों में जो चल रहा है उसकी क्या वजह है और उसे कैसे रोका जा सकता है? इस पर न तो कोई प्रमाणित शोध ही है और न ही पूरी गंभीरता से कुछ किया गया दिखता है। हांलाकि इस बार सदियों में यह हादसा हुआ है जिस पर कई लोगों को आश्चर्य होना स्वाभाविक है। यह भी सच है कि पिछले काफी दिनों से वहाँ पर मौसम बिगड़ा हुआ था और जबरदस्त बर्फबारी हो रही थी। हो सकता है कि इससे उस पूरे इलाके में फिसलन भी बढ़ गई हो जिसके चलते कोई बर्फ की चट्टान खिसक गई हो, लेकिन यह सब कयास ही हैं।

चमोली का सच वैज्ञानिक शोध का विषय है, लेकिन सवाल वही कि कि हम हादसों से कब सीख लेंगे? यूँ तो ग्लेशियरों पर ग्लोबल वार्मिंग यानी जलवायु परिवर्तन के असर को लेकर लंबे समय से और बेहद विस्तार से अध्ययन किया जा रहा है जिससे ही पता चला कि हिमालय के हिंदुकुश क्षेत्र में पारा बढ़ रहा है जिससे वैश्विक तापमान की वृध्दि का असर ज्यादा ऊंचाई पर होने से हिमालय पर कुछ ज्यादा ही हो रहा है। कुछ महीने पहले ही इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटिग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट यानी आईसीआईएमओडी की हिंदुकुश हिमालय असेसमेंट रिपोर्ट में आशंका जताई गई थी कि साल 2100 तक अगर वैश्विक उत्सर्जन में कमी नहीं आई तो हिमालय के ग्लेशियर्स का काफी हिस्सा (दो-तिहाई तक) पिघल जाएगा।

यकीनन चमोली या केदारनाथ जैसी त्रासदी ग्लोबल वॉर्मिंग का नतीजा तो है ही, लेकिन यह भी सही है कि एशियाई देशों में लकड़ी और कोयला भी बहुतायत में जलाए जाने का सीधा असर वायुमण्डल में कार्बन बढ़ जाने से होता है। जब यही प्रदूषित धुएँ के बादल पर्वतों के ऊपर छा जाते हैं तो सौर्य ऊर्जा को तेजी से सोखते है। इसके चलते पहाड़ों पर जमीं बर्फ भी खूब पिघलने लगती है। अलकनंदा-धौलीगंगा नदियों में इस मौसम में बाढ़ तपोवन क्षेत्र में ग्लेशियर में हुई टूट की वजह से आई जिससे पूरे क्षेत्र में जहाँ तबाही मची वहीं निजी स्वामित्व वाली 130 मेगावाट की ऋषि गंगा पनबिजली प्रोजेक्ट जहाँ पूरी तरह तबाह हो गया है वहीं निर्माणाधीन 520 मेगावॉट की तपोवन विष्णुगाड जल विद्युत परियोजना को भी भारी नुकसान हुआ है। अमूमन जब ग्लेशियर के पिघलने से बने हिमनद एकाएक झील में तब्दील हो जाते हैं तो काफी पानी जमा हो जाता है और जमें हुई बर्फ को थामें ग्लेशियर या तो वजन से या फिसलन से टूट जाते हैं। इन्हीं वजहों से एकाएक भारी मात्रा में पानी निकलता है और वह बाढ़ का शक्ल ले लेता है। चूंकि ग्लेशियर काफी ऊँचे स्थानों पर होते हैं ऐसे में काफी ऊंचाई पर होने वाली इन घटनाओं के चलते ऐसी बाढ़ की भयावहता और नुकसान ज्यादा होने की आशंका रहती है. चमोली में भी ऐसा हुआ। ग्लेशियर कब, क्यों और कैसे टूटते हैं इसके कई कारण हो सकते हैं। जैसा कि कटाव, पिघला हुआ या जमा हुआ पानी का भारी दबाव, बर्फया चट्टानों का स्खलन या बर्फ के नीचे भूकंप के झटके। यह तब भी हो सकता है जब पास में ग्लेशियर का कोई बड़ा हिस्सा टूटने की वजह से हिमनद से बनी झील में जमा पानी की भारी मात्रा अपने स्थान से खिसकने लग जाए। हांलाकि ग्लेशियरों का सामान्य और परंपरागत तौर पर पिघलना उतना हानिकारक नहीं है जितना वायुमंडल में प्रदूषण के चलते से तेजी से पिघलना है, चमोली में यही हुआ। विकास के नाम पर वहाँ संवेदनशील स्थानों से खूब छेड़छाड़ हुई, पहाड़ों के स्वरूप बिगड़ने शुरू हुए, रास्तों के नाम पर पत्थरों और पहाड़ों की जहाँ-तहाँ तोड़फोड़ और होटल व दूसरे निर्माण और बड़े-बड़े बाँध तेजी से बने। नतीजन पहाड़ भी कमजोर हुए और कहीं न कहीं वहाँ की जलवायु पर असर पड़ा होगा। धीरे-धीरे ग्लेशियर पिघलता रहा, पता भी नहीं चला। पानी भी दरारों में इकट्ठा होता रहा और अचानक जब वजन बढ़ने से दरारें भी फटीं और जमा पानी तेज बहाव से नीचे आया तो न केवल मलवा, पत्थर, पहाड़ और वह सब साथ में बहा ले गया जो भी रास्ते में पड़ा। जो बड़े कारण दिखते हैं उनमें घटते जंगल, जंगलों से जुड़े ग्रामीण समुदायों को हतोत्साहित करना, तेज विकास और पर्यटन से कमाई के नाम पर कंक्रीट के जंगल खड़े करना, वाहनों के बढ़ते काफिले, उनका और जेनरेटरों का धुँआ, लकड़ी और कोयला का बेतहाशा जलाया जाना आदि वो कारण हैं जो कहीं न कहीं चमोली और केदारनाथ जैसी तबाहियों की गुमनाम वजहों में शामिल हैं। फिर भी सब कुछ जानकर अनजान रहना और धीरे से बड़ी-बड़ी विपदाओं को भुला देना और फिर किसी नए हादसे की ओर चल पड़ना जहाँ भावी पीढ़ी के साथ-साथ पूरी मानव सभ्यता व उसी प्रकृति के साथ अन्याय है जिसने हमें यह जीवन दिया. काश इस हादसे के बाद प्रकृति का स्वाभाव, जलवायु परिवर्तन और धरती की तपन की सच्चाई समझ आ पाती!

लेकिन एक सच्चाई यह भी है कि पठारी इलाकों में तापमान बढ़ने से हवा ज्यादा आर्द्र यानी नम होती है। सर्दियों में बर्फ ज्यादा गिरती है जिससे बढ़ता वजन हिमस्खलन का कारण बनता है। वहीं गर्मियों में बारिश का पानी दरारों में लॉक हो जाता है जिससे मिट्टी और बर्फ में फिसलन पैदा होती है और हिमस्खलन होता है। वैज्ञानिक दृष्टि से यह बड़े कारण हो सकते हैं, लेकिन उससे भी ज्यादा यह कि ऐसी परिस्थितियाँ एकाएक क्यों निर्मित होने लगीं? जहाँ भू-गर्भीय, धरातल में होने वाली गतिविधियों की निगरानी और जानकारी के लिए जिस तरह से कई उपकरण और तंत्र हैं, काश ग्लेशियरों में होने वाली गतिविधियों को दर्ज करने के लिए भी ऐसे ही आर्टिफीसियल इण्टेलीजेन्स विकसित कर लिए जाते जो असंभव नहीं है। दुख इस बात का है कि देश में ही नामी गिरामी तकनीकी संस्थाओं के बावजूद इस पर किसी का ध्यान नहीं गया। वहीं पेरिस क्लाइमेट समझौता भी जल्द अमल में लाया जाता जिससे ग्लोबल वार्मिंग के बीच तापमान को 2 डिग्री तक कम किया जा सकता और डेढ़ डिग्री से ज्यादा न बढ़े यह व्यवस्था हो पाती, लेकिन ज्यादातर देशों ने संयुक्त राष्ट्र को इस पर अपनी कोई योजना ही नहीं दी है न ही अमल में लाया। काश इन सबसे भी ग्लेशियर क्षेत्रों में होने वाली बड़ी जन और धन हानियों को रोका सकता।

झोलाछाप डॉक्टर और कमीशनखोरी का धंधा धड़ल्ले से पसार रहा अपने पैर

माही की गूंज, भानपुरा (मंदसौर)। साहिल अग्रवान

कोरोना काल में पूरी दुनिया में डॉक्टर भगवान के रूप में लोगों को नज़र आए है और ऐसा हो भी क्यों न? अपनी जान को दांव पर लगाकर दूसरों को निःस्वार्थ भाव से जिंदगी का उपहार देने वाले भगवान ही तो है। मगर सरकारी आंकड़ों के अनुसार देश में सिर्फ 10 लाख पंजीकृत डॉक्टर हैं, इस हिसाब अगर देखा जाए तो भारत में प्रत्येक 13 हजार नागरिकों पर मात्र 1 डॉक्टर मौजूद है। जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस संदर्भ में प्रत्येक 1 हजार नागरिकों पर 1 डॉक्टर होना अनिवार्य है, लेकिन ऐसा करने के लिए भारत को वर्तमान में मौजूदा डॉक्टरों की संख्या को कई गुना करना होगा। वहीं जिले में भी जनसंख्या के आधार पर कई डाक्टरों की और आवश्कता है।

जिले में सम्भवत पहली कार्यवाही

भानपुरा पुलिस ने झोलाछाप डॉक्टर पर कार्रवाई की है। सम्भवत यह जिले में पहला मामला है जिसमें पुलिस ने झोलाछाप डॉक्टर पर कार्रवाई की है जबकि स्वास्थ्य विभाग को यह कार्रवाई करना चाहिए थी। जिले में गली-मोहल्लों व गांवों में झोलछाप डॉक्टर घूम रहे है इन पर स्वास्थ्य विभाग कोई कार्रवाई नही करता है।

भानपुरा में पिता की डिग्री से बेटा अपना अलग अस्पताल चला रहा था जिसे सील कर दिया गया। उक्त अस्पताल हुकुमचंद पिता स्व. कैलाशचंद मोदी (49) चला रहा था जिसके विरूद्ध एफआईआर क्रमांक 37/2020 धारा मध्य प्रदेश राज्य आयुर्विज्ञान परिषद एक्ट 1956-58 की धारा 24 के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी को गिरफ्तार किया।

आखें मूंदे बैठा है स्वास्थ्य विभाग

जहां एक और शहरी क्षेत्रों में 58 प्रतिशत योग्य चिकित्सक है, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में यह आंकड़ा 19 प्रतिशत से भी कम है। योग्य चिकित्सकों के अभाव में जिले में झोलाछाप डाक्टरों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है, इन झोलाछाप डॉक्टरों के कारण मरीजों की जान सासत में है, इस मामले में स्वास्थ्य विभाग आखें मूंदे बैठा है। विभाग की अनदेखी के कारण झोलाछाप डाक्टर चाँदी कूट रहे है, गाँवों में तो ये स्थिति और भी बदतर है। यह धंधा इतना चंगा हो गया है कि, लोग धड़ल्ले से इस व्यवसाय में एंट्री कर रहे है, गावों में इस प्रकार के झोलाछाप सरेआम क्लीनिक चलाकर लोगों को बेवक़ूफ़बना रहे हैं।

रजिस्टर्ड डॉक्टर ही एलोपैथिक दवा लिख सकता है

भारतीय चिकित्सा पद्धति के लिए, भारतीय चिकित्सा केंद्रीय परिषद अधिनियम, 1970 कहता है कि, भारतीय चिकित्सा पद्धति के अभ्यासी के अलावा कोई भी व्यक्ति जो किसी मान्यता प्राप्त चिकित्सा योग्यता रखता है और किसी राज्य रजिस्टर या भारतीय चिकित्सा के केंद्रीय रजिस्टर में नामांकित है, भारत में मेडिकल और किसी भी राज्य में मरीजों के लिए दवा लिखेगा। इसके अलावा यदि कोई अन्य ऐसा करता पाया तो, उसके लिए इंडियन मेडिकल कार्उसिल एक्ट, 1956 में कारावास की सजा का उल्लेख है जो एक वर्ष तक का हो सकता है या जुर्माना 1 हजार रुपए तक हो सकता है या दोनों हो सकता है,।

इतना होने के बावजूद देश में ऐसा हो क्यों रहा है ?

इस धंधे के इतना फूलने-फलने का कारण सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की कमी है। गावों के लोगों को सरकार द्वारा स्थापित स्वास्थ्य केन्द्रों में डॉक्टरों की कमी के कारण मरीजों को इन झोलाछाप डॉक्टरों की शरण में जाना पड़ रहा है।

अक्सर ऐसे मामले देखने को मिलते है कि, फर्जी डॉक्टरों के इलाज से मरीज की जान पर आफ्त आ जाती है। जिला प्रशासन को इन झोलाछाप डॉक्टरों पर नकेल कसनी चाहिए और लोगों को भी इस दिशा में स्वयं जागरूक होना चाहिए कि, वो ईलाज जे लिए इन झोलाछाप के पास न जाकर अपने गांव के सरकारी स्वास्थ्य केंद्र पर जाए।

सिटी थाने में पदस्थ धूर्त बीट प्रभारी रेवाराम दांगी अपनी दबंगई दिखाकर डरा रहा है पिडितो को

माही की गूंज, सुजालपुर। अजय राज केवट

बिट प्रभारी रेवाराम की अपनी कुछ अलग ही रंगदारी देखने को मिल रही है, मामला कुछ इस प्रकार है कि, 6 फरवरी को आँटो चालक प्रदीप केवट अपना आँटो लेकर घर की तरफजा रहा था, तभी सिटी पुल के पास तेज रफ्तार से आ रही अल्टो कार से भिड़ंत हो जाती है, सुचना मिलने पर सिटी पुलिस प्रशासन घटनास्थल पर पहुंचते है और दोनों व्यक्तियों को थाने में ले जाया जाता है। उसके बाद रेवाराम दांगी थाने के एक कमरे में ले जाकर फरियादी प्रदीप केवट पर दबाव बनाकर फरयादी से पैसे दिलाकर राजीनामा करवा देता है व रिश्वत लेने की बात करता है।

रेवाराम दांगी द्वारा प्रदीप केवट पर दबाव बनाकर लिखवाया गया राजीनामा।

सूत्रों की माने तो ये भ्रष्ट व धूर्त सिटी थाने में पदस्थ रेवाराम दांगी जिसके ऊपर पहले भी कई भ्रष्टाचार के संगीन आरोप लग चुके हैं, आए दिन थाने में बैठकर कुर्सी तोड़ने के अलावा ईन महाशय को कुछ काम आता नहीं है व गरीब फरियादियो के साथ अभद्रता करने पर सदैव तत्पर रहता है। जब उच्च अधिकारियों से भ्रष्टाचार के जनक रेवाराम दांगी की शिकायत की जाती है कार्रवाई के नाम पर सिर्फलीपा-पोती कर दी जाती है। रेवाराम दांगी सिटी थाने को अपने बाप की बपौती समझ कर बैठा है जैसे इनके बीना सिटी थाने में किसी प्रकार का कार्य ही नहीं चल पाएगा। ऐसे अधिकारी जो सिटी थाने में नासूर बनकर बैठे हुए हैं, जो अपराधियों से सांठ-गांठ कर ईमानदार थाना प्रभारी टीआर पटेल की छवि धूमिल करने में रेवाराम दांगी किसी प्रकार की कोर-कसर नहीं छोड़ रहा है। अगर थाने में कैमरे लगा दिए जाए तो, इन जैसे संदीग्ध पुलिस कर्मियों पर पुलिस कप्तान द्वारा नजर रखी जा सकती है। विश्वसनीय सूत्रों की माने तो, रेवाराम दांगी के पुत्र की शादी की तारीख नजदीक आने के बाद से हि अपराधियों से सांठ-गांठ कर शादी के लिए धन एकत्रित करने में जुटा हुआ है।

कोटेश्वर मंदिर बनेगा पिकनिक स्पॉट, नहीं टुटेगा 8 लेन एक्सप्रेस वे में आने वाला सेदरा माता मंदिर

माही की गूंज, मंदसौर।

नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा और पर्यावरण विभाग मंत्री हरदीप सिंह डंग ने कलेक्टर मनोज पुष्प व जिला पंचायत सीईओ श्री गुप्ता के साथ कोटेश्वर महादेव मंदिर, लदुना में तालाब, आश्रम, मुहाजिर माताजी, सेदरा माताजी, जोगणिया माता, एलवी महादेव स्थलों का भ्रमण किया। सेदरा माता मंदिर ऐसे स्थान पर स्थित है, जहां से 8 लेन एक्सप्रेस वे निकल रहा है। 8 लेन निर्माण की वजह से मंदिर तोड़ने की संभावना थी, लेकिन मंत्री हरदीप सिंह डंग के प्रयासों के द्वारा मंदिर के गर्भग्रह को नहीं तोड़ा जाएगा मंदिर यथावत रहेगा।

मंत्री हरदीप सिंह डंग ने मंदिर परिसर में घूमकर अवलोकन किया साथ ही मंदिर पर टूटी हुई सीढ़ियों और यहां बने कुंड को तुरंत मरम्मत करने के निर्देश दिए। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि, मंदसौर का तेलिया तालाब ओर भानपुरा के छोटा बड़ा महादेव की तर्ज पर कोटेश्वर मंदिर को पिकनिक स्पॉट बनाया जाएगा, साथ ही नाटाराम, सूर्याखेड़ा ओर मोरखेड़ा तीनो गांवों की गोशालाओं को मिलाकर एक बड़ी गोशाला बनाने का प्लान तैयार किया जा रहा है।

कलेक्टर मनोज पुष्प ने कहा कि, कोटेश्वर महादेव मंदिर बहुत ही प्राचीन मंदिर है। यहां पर श्रावण मास में काफी भक्तजन दर्शन के लिए आते हैं उनके लिए बेहतरीन व्यवस्था की जाएगी, साथ ही यहां पर नक्षत्र गार्डन भी बनाया जा रहा है।

जिला पंचायत सीईओ ऋषव गुप्ता ने कहा कि, सामुदायिक स्वच्छता परिसर बनाया जाएगा, जिसमें महिलाओं और पुरुष के लिए अलग-अलग शौचालय बनाए जाएंगे। साथ ही कोटेश्वर महादेव मंदिर में नक्षत्र गार्डन का निर्माण किया जा रहा है। इस गार्डन में राशि के हिसाब से पेड लगाए जाएंगे।

अनेक स्थानों पर हैंडपंप पडे बंद यात्री, राहगीर परेशान

माही की गूंज, आम्बुआ (अलीराजपुर)

आम्बुआ कस्बे से बाहर तथा कस्बे के अंदर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में अनेक हैंडपंप बंद पड़े हैं जिन्हें देखने वाला कोई नजर नहीं आ रहा है हैंडपंप बंद होने से अनेक यात्री राहगीर तथा नागरिक परेशान हो रहे है।

हमारे संवाददाता के अनुसार विगत वर्ष ग्रीष्म काल में जल स्तर घट जाने के कारण हैंडपंप बंद हो गए थे, इन हैंडपंपो में वर्षा काल के समय पुनः जल स्त्रोत सक्रिय हो जाने पर पानी की मांग बढ़ जाती है, हैंडपंप बंद पड़े रहने के कारण उसके पुर्जे खराब हो जाते हैं जिन्हें या तो ठीक कराना पड़ता है या फिर बदलना पड़ता है। आम्बुआ कस्बे से बाहर जोबट तिराहा, संकट मोचन हनुमान मंदिर के पास तथा वार्ड क्रमांक 5 में अस्पताल परिषद एवं पुराने बस स्टैंड आदि स्थानों पर हैंडपंप बंद पड़े हैं, आम्बुआ जोबट तिराहे पर कई दुकानें है तथा व्यस्त मार्ग होने के कारण सैकड़ों छोटे वाहन यात्री तथा माल वाहन यहां पर खड़े होते हैं तथा आते-जाते हैं, जिस कारण यहां पर यात्रियों तथा व्यापारियों, राहगीरों को पेयजल की परेशानी होती है। पुराने बस स्टैंड तथा हनुमान मंदिर पर भी हैंडपंप बंद होने से भी लोगों को परेशानी उठाना पड़ रही है। यात्रियों, नागरिकों एवं व्यापारियों की भूमि का तुरंत सर्वे कर संबंधित तहसीलदार शासकीय नियमानुसार तुरंत भुगतान करें। मुख्य नगरपालिका अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि, कोलवी जहां से चंबल का पानी आएगा, उस स्थान से नजदीकी गांव तक रोड का निर्माण किया जाए।

प्रशासन ने किया चंबल पाइपलाइन का निरिक्षण

माही की गूंज, मंदसौर। कलेक्टर मनोज पुष्प व सीईओ जिला पंचायत ऋषव गुप्ता ने चंबल पाइपलाइन स्थल कोलवी का निरीक्षण किया। यह वह स्थान है जहां से नहर के माध्यम से चंबल का पानी मंदसौर शहर में आएगा। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि, कार्य में तुरंत प्रगति लाई जाए, 15 मार्च तक चंबल का पानी मंदसौर में पहुंचना चाहिए, इसमें किसी प्रकार की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी, इसके साथ ही नहर निर्माण एवं विद्युत लाइन की वजह से जिन-जिन किसानों का नुकसान हुआ है, उन किसानों की भूमि का तुरंत सर्वे कर संबंधित तहसीलदार शासकीय नियमानुसार तुरंत भुगतान करें। मुख्य नगरपालिका अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि, कोलवी जहां से चंबल का पानी आएगा, उस स्थान से नजदीकी गांव तक रोड का निर्माण किया जाए।

सात दिवसीय योग शिविर का हुआ समापन

सभी महिलाओं ने प्रतिदिन योग करने का लिया संकल्प, अतिथियों ने योग प्रशिक्षिकाओं का किया सम्मान

माही की गूंज, झाबुआ।

जिला महिला पतंजलि योग समिति द्वारा जिला पंचायत सीईओ सिद्धार्थ जैन के आवास परिसर में आयोजित सात दिवसीय योग शिविर का समापन हुआ। समापन अवसर पर सभी महिलाओं ने प्रतिदिन प्रातरूकाल योग करने का जहां संकल्प लिया। वहीं इस अवसर पर अतिथियों द्वारा योग प्रशिक्षिकाओं का सम्मान भी किया गया।

सात दिवसीय शिविर में प्रतिदिन जिला महिला पतंजलि योग समिति की प्रभारी तथा योग गुरू रूक्मणी वर्मा ने शिविरार्थी महिलाओं को समस्त आठ प्रकार के प्रणायाम, योगिंग, जोगिंग तथा सूर्य नमस्कार व आसन का विस्तार से प्रशिक्षण दिया। साथ ही इनके महत्व तथा होने वाले लाभों की भी जानकारी दी।

सतत दिया जाएगा योग का प्रशिक्षण

समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जिला तथा सत्र न्यायाधीश की धर्मपत्नि पूनम राजेश गुप्ता तथा जिला पंचायत सीईओ की धर्मपत्नि सलोनी सिद्धार्थ जैन उपस्थित थी। इस अवसर पर सलोनी जैन ने भविष्य में भी उनके आवास पर प्रतिदिन योग क्लासेस लगाकर महिलाओं को योग का प्रशिक्षण सतत दिए जाने की बात कहीं। इस अवसर पर मुख्य अतिथि गुप्ता तथा जैन ने योग गुरू तथा शिविर संयोजक रूक्मणी वर्मा, सहयोगी भावना टेलर, जरीना अंसारी, विनीता टेलर तथा भावना जैन का पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया। जिसके बाद महिला पतंजलि योग समिति की ओर से गुप्ता तथा जैन का भी अभिनंदन किया। समापन पर सभी महिलाओं ने संकल्प लिया कि वह अपने शरीर और मन को स्वस्थ और तंदुरूस्त रखने के लिए प्रतिदिन योग करेंगी।

बड़ी संख्या में लिया गया लाभ

सात दिनों में बड़ी संख्या में शहर की महिलाओं ने सहभागिता कर योग के गुर सीखकर उसमें पारंगत हुई। जिसमें मुख्य रूप से भारतीय स्त्री शक्ति संगठन की प्रदेशाध्यक्ष किरण शर्मा, संकल्प ग्रुप की संयोजक भारती सोनी, रजनी पाटीदार, टीना गोतम, संगीता अगर, जयंती कोठारी, राखी सिसौदिया, नीता मेहता, नेहा मेहता आदि ने योग तथा प्रणायाम का लाभ प्राप्त किया।

मध्यप्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय खोलेगा 134 नए केन्द्र

माही की गूंज, बड़वानी। मध्यप्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा 134 शासकीय महाविद्यालयों में नए अध्ययन केन्द्र खोले जाएंगे। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा विश्वविद्यालय के नवीन अध्ययन केन्द्र स्थापित किए जाने की अनुमति प्रदान की गई है, इन शासकीय महाविद्यालयों के प्राचार्यों एवं कुल सचिव, मध्यप्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के मध्य अनुबंध निष्पादन करने के लिए 16 फरवरी को मिंटो हॉल में कार्यक्रम आयोजित होगा।

पति, सास-ससुर व ननद ने मारपीट कर दी प्रताड़ना, हुई कैद

माही की गूंज, मंदसौर। पति, सास-ससुर व ननद ने महिला की लात-घूसों से पीट दिया। पीड़िता ने शामगढ़ थाने में शिकायत की थी। मामले कोर्ट ने चारों आरोपियों को 1-1 साल कैद की सजा सुनाई। सजा जेएमएफसी मेहताबसिंह बघेल ने दी।सहायक मीडिया प्रभारी एडीपीओ रमेशकुमार गामड़ ने बताया पीड़िता का विवाह आरोपी ईश्वर पिता भौनीराम निवासी ग्राम बडिंया ऊंचा थाना शामगढ़ से 7 साल पहले हुआ था। दो साल का बेटा भी है। पीड़िता टीबी से ग्रसित थी, जिसके इलाज की बार-बार कहने पर भी नहीं कराया। 1 मार्च 2015 की रात पीड़िता को पेट में दर्द हुआ। इस पर पीड़िता ने उसके पति ईश्वर को बोला तो उसने वहीं लात-घूसों से मारना-पीटना शुरू कर दिया। जब उसने विरोध किया तो आवाज सुनकर ननद और सास-ससुर आए, उन्होंने भी मारपीट की। बेहोशी की हालत में घर के बाहर फेंक दिया। पिता मांगीलाल को सूचना होने पर वह उसे शामगढ़ अस्पताल लेकर आए, जहां इलाज कराया। शिकायत पर शामगढ़ पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर अभियोग न्यायालय में प्रस्तुत किया। कोर्ट ने पति ईश्वर सहित सास कलाबाई, ननद मंजूबाई पति रामदयाल मेघवाल एवं ससुर भौनीराम पिता प्यारेलाल मेघवाल निवासी बडिंया उंचा को 1-1 साल का सश्रम कारावास तथा प्रत्येक आरोपी को 500-500 रुपए अर्थदंड से दंडित किया।

अखिल भारतीय शूटिंग बॉल स्पर्धा पर अरूण मेरठ की टीम ने जमाया कब्जा

मध्य रात पौने 2 बजे तक चले मैच, कड़ाके की ठंड में भी खिलाड़ियों और दर्षकों का उत्साह रहा चरम पर

माही की गूंज, झाबुआ।

आरडी मेमोरियल अखिल भारतीय शूटिंग बॉल स्पर्धा का 7 फरवरी मध्य रात को समापन हुआ। अंतिम दिन रात्रि में टीमों के बीच 2 सेमीफायनल एवं 1 फायनल मैच खेला गया। फायनल मैच आईएससी मालेगांव और अरूण मेरठ की टीम का हुआ। जिसमें 2 राउंड में ही अरूण मेरठ ने विजेता का खिताब हासिल किया। उप-विजेता टीम एफएफसी मालेगांव रहीं। इसके अलावा तृतीय एवं चतुर्थ रहने वाली टीमों को तथा अन्य पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

यह अखिल भारतीय स्तर की तीन दिवसीय स्पर्धा आयोजक समिति के संरक्षक बृजेन्द्र चून्नू शर्मा एवं परामर्षदाता शैलेष दुबे के मार्गदर्षन में संपन्न हुई। तीन दिनों में देषभर की प्रसिद्ध 18 टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले खेले गए। प्रथम दिन स्पर्धा का शुभारंभ और शो मैच होने के बाद दूसरे दिन से टीमों के बीच मुकाबले आरंभ हुए। यह मैच डे-नाईट शहर के बसंत कॉलोनी मैदान पर खेले गए। जिसमें नेतृत्व आयोजन समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र कांसवा एवं संयोजक लाखनसिंह सोलंकी ने प्रदान किया।

मध्य रात पौने 2 बजे तक चले मैच

दो दिनों तक अनेक राजनैतिक, सामाजिक-धार्मिक संस्थाओं के पदाधिकारी-सदस्यों, जिला प्रषासन एवं पुलिस प्रषासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सैकड़ों की संख्या में दर्षकों ने बसंत कॉलोनी के मैदान पर अपनी उपस्थिति दर्ज करवाते हुए शूटिंग बॉल मैचों का जमकर आनंद लिया और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। अंतिम दिन 7 फरवरी, रविवार को भी सुबह से लेकर मध्य रात पौने 2 बजे तक मैच चले।

कडकड़ाती ठंड के बीच भी खिलाड़ियों और दर्षकों का उत्साह चरम पर

रविवार रात को कड़कड़ती ठंड के बावजूद खिलाड़ी और दर्षक मैदान पर जमे रहे और उनके उत्साह तथा उमंग में कोई कमी नजर नहीं आई। वहीं अंतिम दिन आयोजन समिति के सभी पदाधिकारी-सदस्यों ने भी पूरे समय मौजूद रहकर आने वाले अतिथियों, गणमान्यजनों का स्वागत-सत्कार आदि किया।

झाबुआ में शूटिंग बॉल जैसी स्पर्धा होना गर्व का विषय

अंतिम दिन मैच का आनंद लेने क्षेत्रीय सांसद गुमानसिंह डामोर, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाष शर्मा के साथ अन्य भाजपाई पहुंचे। उनका स्वागत आयोजन समिति के संरक्षक बृजेन्द्र चून्नू शर्मा एवं परामर्षदाता शैलेष दुबे के मार्गदर्षन में अध्यक्ष राजेन्द्र कांसवा एवं संयोजक लाखनसिंह सोलंकी ने किया। क्षेत्रीय सांसद श्री डामोर ने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में कहा कि झाबुआ में अखिल भारतीय स्तर की शूटिंग बॉल स्पर्धा होना बड़े गर्व का विषय है और इसके लिए उन्होंने आयोजकों की जमकर प्रसंषा की। अंतिम दिन श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर सेवा समिति की ओर अध्यक्ष अरूण भावसार, गजेन्द्रसिंह चंद्रावत, राकेष झरबड़े, प्रदीप नीमा, पाझूसिंह चौहान, बृजकिषोरसिंह सिकरवार आदि ने आयोजक समिति का उक्त सफल एवं ऐतिहासिक आयोजन के लिए सम्मान भी किया। वहीं इस दौरान रोटरी क्लब 'मेन' की ओर से अध्यक्ष मनोज अरोरा एवं सचिव कार्तिक नीमा भी उपस्थित रहे। मंच का सफल संचालन गोपाल नीमा ने किया।

यह रहा मैच का स्कोर

रविवार रात करीब साढ़े 10 बजे से सेमीफायनल मैच प्रारंभ हुए। जिसमें पहला मैच आईएससी मालेगांव और जितेन्द्र भोपाल की टीम का हुआ। जिसमें 2 राउंड में आईएससी मालेगांव ने यह मैच जीता। दूसरा मैच खली पंजाब वर्सेस अरूण मेरठ में अरूण मेरठ की टीम ने 2 राउंड में मैच जीतकर फायनल मैच के लिए अपनी लाईन को क्लीयर किया। फायनल मध्य रात में आईएएसी मालेगांव और अरूण मेरठ की टीम के मध्य खेला गया। जिसमें सर्वश्रेष्ठ प्रदर्षन करते हुए अरूण मेरठ के जाबांज खिलाड़ियों ने विजेता की खिताब अर्जित किया।

यह रहीं विजेता टीम

प्रतियोगिता का प्रथम पुरस्कार 51000 रू. एवं ट्राफी अरूण मेरठ की टीम, द्वितीय पुरसकार 31000 रू., एवं ट्राफी आईएएसी मालेगांव की टीम, तृतीय पुरस्कार जितेन्द्र भोपाल की टीम को 15000 रू. एवं ट्राफी तथा चतुर्थ पुरस्कार 11000 रू. और ट्राफी खली पंजाब की टीम को प्रदान किया गया। इसके अलावा बेस्ट शूटर वकारभाई मालेगांव, बेस्ट नेटर एनएन चेरान भोपाल एवं बेस्ट डिफेन्डर विपुल त्यागी मेरठ को 2100 रू. एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया।

इनका रहा सराहनीय सहयोग

राष्ट्रीय स्तर की तीन दिवसीय स्पर्धा में मैच संपन्न करवाने में विषेष सहयोग जिला क्रीड़ा अधिकारी कुलदीप धाबाई के नेतृत्व में अजमद खान, मनोज पाठक, योगेष गुप्ता, लालसिंह अजनार, देवेन्द्रसिंह चौहान, इलियास खान, आदि ने प्रदान किया। वहीं आयोजक समिति के सभी पदाधिकारी एवं सदस्यों ने भी पूरे समय मौजूद रहकर सराहनीय सहयोग प्रदान किया। तीन दिवसीय स्पर्धा को सफल बनाने के लिए देषभर से आई सभी टीमों, अतिथियों, दर्षकों, मीडिया के साथ सभी प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष सहयोगियों का आभार आयोजक समिति की ओर से माना गया है।

राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं मेडल प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को किया सम्मान

माही की गूंज, झाबुआ। वर्ल्ड पॉवर लिफ्टींग इंडिया के तत्वावधान में पिछले दिनों इंदौर में आयोजित पॉवर लिफ्टींग चैंपियनषीप-2021 में जिले के खिलाड़ियों द्वारा अलग-अलग भार वर्ग में शानदार एवं दमदार प्रदर्षन करने तथा मेडल प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों का स्थानीय कॉलेज मार्ग पर जय बजरंग व्यायाम शाला (जीम) पर सम्मान कार्यक्रम रखा गया।

जिसमें झाबुआ का नाम राज्य स्तर पर गौरवान्वित करने वाले खिलाड़ी मिनाक्षी डोडियार, षिवानी भूरिया, किरण बारिया, प्रियंका बारिया, गुलाबसिंह मेड़ा, उमेष मेड़ा, चिराग बारिया (थांदला), बाबू खपेड़ एवं दिनेष सिंगाड़ (रानापुर) का सम्मान जीम के संचाक एवं राष्ट्रीय खिलाड़ी सुषील वाजपेयी, चंदेर आदि द्वारा पुष्पमाला पहनाकर सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं प्रेषित की गई। इस अवसर पर सभी खिलाड़ी अपने मेडल और प्रष्ष्ति-पत्र के साथ उपस्थित रहे।

खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर जय बजरंग व्यायाम शाला परिवार के ललित शर्मा, मनोज मेहता, प्रकाश चौहान, प्रेमसिंह उस्ताद, किशोर खलीफा, चंदु खलीफा, उमंग सक्सेना आदि ने हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं प्रेषित की है। राष्ट्रीय खिलाड़ी सुशील वाजपेयी एवं उनकी टीम द्वारा जीम पर निरंतर खिलाड़ियों को विभिन्न खेलों का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जीम स्वस्थ युवा, शक्तिशाली भारत की परिकल्पना को सार्थक करने की ओर निरंतर अग्रसर है।

दूसरा चरण

पुलिस, राजस्व और नगपालिका के अधिकारी-कर्मचारियों को लगाई जा रही कोविड वैक्सीन

कलेक्ट्रेट अधीक्षक एवं यातायात प्रभारी ने लगवाया टीका

माही की गूंज, झाबुआ।

केंद्र सरकार और मप्र सरकार के निर्देश पर जिले में स्वास्थ्य विभाग द्वारा वैश्विक महामारी कोरोना से बचाव एवं रोकथाम हेतु वेक्सीन लगाने का कार्य तेज गति से किया जा रहा है। झाबुआ जिले में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जयपालसिंह ठाकुर के मागदर्शन एवं जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. राहुल गणावा के नेतृत्व में गठित अलग-अलग दल यह कार्य प्राथमिकता से अलग-अलग चरणो में कर रहे है।

जानकारी देते हुए जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. राहुल गणावा ने बताया कि प्रथम चरण में कोविड-19 कार्य में धरातल स्थल पर लगे स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों, विशेष रूप से नर्सेस, वार्ड बॉय, स्वीपर को वेक्सीन लगाने का कार्य हुआ। दूसरे चरण में अब जिले में पुलिस विभाग, राजस्व विभाग और निकायों से जुड़े अधिकारी-कर्मचारियों, विशेषकर स्वच्छता-कार्य में लगे कर्मचारियों को टीके लगाए जा रहे है।

कोविड के केसों में आई कमी

बहरहाल यह अच्छी खबर है कि जनवरी माह 2021 से जिले में कोविड के केसो में तेजी से गिरावट आई है। वहीं बीती 17 जनवरी से कोविड के टीके भी लगना आरंभ हो गए है। जिला विस्तार एवं अनुसंधान अधिकारी कोमल राठौर एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक आरआर खन्ना ने बताया कि वर्तमान में जिले में प्रतिदिन 5-6 केस ही कोरोना के दर्ज हो रहे है वहीं जनवरी माह 2021 से लेकर अब तक कोविड से मृतकों की संख्या में भी बढ़ोतरी नहीं हुई है।

कलेक्ट्रेट अधीक्षक एवं यातायात प्रभारी को लगाया गया टीका

इसी क्रम में कलेक्ट्रोरेट में राजस्व शाखा के प्रभारी के रूप में सर्वप्रथम अधीक्षक नरेन्द्र परमार को भी वेक्सीन लगाया गया। इसके साथ ही राजस्व शाखा से ही पूर्व जिला नारिज अषोक चौहान ने भी टीका लगवाकर सोष्यल मीडिया पर कोविड से बचाव हेतु टीके की महत्वता को प्रतिपादित किया। यातायात पुलिस झाबुआ की टीम में यातायात प्रभारी विजेन्द्रसिंह मुजाल्दा ने भी जिला चिकित्सालय में कोविड से रोकथाम का वेक्सीन लगाकर उसका स्टेटस फेसबुक पर अपलोड किया।

मप्र सहकारिता समिति कर्मचारी महासंघ द्वारा विभिन्न मांगों को लेकर किया जा रहा आंदोलन

वनवासी कल्याण आश्रम पर धरना देकर रैली निकालकर सौंपा ज्ञापन

माही की गूंज, झाबुआ।

मप्र सहकारिता समिति कर्मचारी महासंघ भोपाल के आव्हान पर जिले में सहकारिता के क्षेत्र से जुड़े कर्मचारियों, जिसमें विशेष रूप से शसाकीय उचित मूल्य दुकानों और सोसाईटियों के सेल्समेन तथा स्टॉफ द्वारा विभिन्न मांगों को लेकर गत 1 फरवरी से अनिश्चितकालीन हड़ताल की जा रहीं है। जिसके क्रम में ही 8 फरवरी, सोमवार को सहकारिता से जुड़े जिलेभर के कर्मचारियों ने वनवासी कल्याण आश्रम पर धरना और बैठक कर बाद रैली निकालकर कलेक्टोरेट में जिला खाद्य आपूर्ति अधिकारी को पीओएस मशीने जमा करने के साथ ही यहां से उपायुक्त सहकारिता कार्यालय पहुंचकर यहां प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन प्रभारी उपायुक्त भिड़े को सौंपा गया।

सहकारिता संस्था कर्मचारी संघ के सचिव बीएल पाटीदार ने बताया कि कर्मचारियों की मुख्य मांग सहकारी समितियों के प्रभारी प्रबंधक, सहायक प्रबंधक, विक्रेताओं, लेखापाल, लिपिक, कम्प्यूटर ऑपरेटर, भृत्य, चौकीदार को शासकीय कर्मचारी घोषित कर मप्र सरकार के कर्मचारियों की भांति वेतन भत्ते, बीमा एवं अन्य सुविधाओं का लाभ दिया जाए। सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) में शासन द्वारा जो राषन काटा गया है, उसका तुरंत आवंटन जारी किया जाए। एवं प्रशासन द्वारा कर्मचारियों पर जो मामले दर्ज किए गए है, उसे वापस लेने के आदेष प्रसारित किए जाए, संस्थाओं का पीडीएस कमीषन पिछले कई वर्षो से भुगतान नहीं किया गया है, उसे तत्काल भुगतान कर आगामी समय में प्रत्येक माह के अंदर भुगतान करने, गेहूं, चना, सरसो, धान, ज्वार, बाजरा, मक्का आदि उपार्जन कार्य का कमषीन, प्रासंगिक व्यय जो कई वर्षो से भुगतान नहीं किया गया है, उसे तुरंत भुगतान के आदेष प्रसारित किए जाने के अलावा अन्य कई मांगों को लेकर सहकारिता क्षेत्र से जुड़े कर्मचारियों द्वारा अनिष्चितकालीन हड़ताल आरंभ की गई है।

क्रमबद्ध आंदोलन किया जा रहा

श्री पाटीदार ने बताया कि 1 से 3 फरवरी तक कर्मचारियों द्वारा प्रदेष के समस्त जिलों में मप्र के मुख्यमंत्री के नाम जिला प्रषासन को ज्ञापन सौंपे गए। 4 फरवरी से अनिष्चितकालीन धरना प्रदर्षन एवं कलमबंद आंदोलन जिला स्तर पर आरंभ किया गया है, जो सरकार द्वारा मांगे नही मानें जाने तक जारी रहेगा। आगामी 18 फरवरी को प्रदेष के समस्त 55000 कर्मचारियों द्वारा मप्र की राजधानी भोपाल में मुख्यमंत्री निवास का घेराव कर सामूहिक इस्तीफा सौंपा जाएगा। 19 फरवरी को भोपाल के रोषनपुरा चौराहे पर चक्काजाम कर सभी कर्मचारियों द्वारा इच्छा मृत्यु की मांग की जाएगी। आंदोलन के दौरान मप्र की समस्त 4 हजार 325, जिसमें झाबुआ जिले की कुल 355 उचित मूल्य दुकाने एवं सोसायटियां बंद रहेगी। जिले में सहकारिता से जुड़े कुल 1 हजार से अधिक कर्मचारी अनिष्चितकालीन हड़ताल पर उतरे हुए है।

प्रभारी उपायुक्त को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपने के साथ पीओएस मशीन प्रदान की गई।

रैली निकालकर जमा की पीओएस मषीने

8 फरवरी, सोमवार को दोपहर जिलेभर के सहकारिता से जुड़े कर्मचारियों द्वारा स्थानीय गोपाल कॉलोनी स्थित वनवासी कल्याण आश्रम पर जिला स्तरीय धरना और बैठक के बाद यहां से नारेबाजी के साथ रैली निकाली गई, जो गोपाल कॉलोनी, राजगढ़ नाका, डीआरपी लाईन तिराहा होते हुए कलेक्टोरेट पहुंचने पर यहां जिला खाद्य आपूर्ति अधिकारी मुकुलकुमार त्यागी को महासंघ द्वारा पीओएस मषीने जमा करवाकर अपना विरोध प्रकट किया। बाद यहां से हाईवे, विजय स्तंभ तिराहा होते हुए रैली के उपायुक्त सहकारिता कार्यालय पहुंचने पर यहां भी कर्मचारियों ने जमकर नारेबाजी के साथ प्रभारी उपायुक्त के रूप में श्री भिड़े को ज्ञापन सौंपने के साथ ठेलागाड़ी में लाई पात्रता पर्चियां निकालने की पीओएस मषीने भी प्रदान की। सहकारिरता संस्था कर्मचारी संघ के सचिव श्री पाटीदार ने बताया कि मांगे नहीं मानने तक सहकारिता से जुड़े समस्त कर्मचारियों का आंदोलन जारी रहेगा।

समर्पण निधि के महत्व की जानकारी देने हेतु वक्ताओं की नियुक्तियां की गई

माही की गूंज, झाबुआ। 11 फरवरी को भाजपा के जनक पं. दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि को जिला भाजपा द्वारा समर्पण निधि दिवस के रूप में मनाया जाएगा। इस अवसर पर जिले में जगह-जगह उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ पार्टी द्वारा आजीवन समर्पण निधि संग्रहण का कार्य भी किया जाएगा। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी योगेन्द्र नाहर ने बताया कि इसी क्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मणसिंह नायक की अनुसंशा से जिला प्रभारी राजमल पडियार द्वारा 11 फरवरी को जिले में जगह-जगह आयोजित कार्यक्रमों हेतु वक्ताओं का मनोनयन कर उन्हें दायित्व सौंपे है।

जिला स्तरीय स्टैंडिंग कमेटी की बैठक सम्पन्न

माही की गूंज, झाबुआ। त्रिस्तरीय पंचायत तथा नगरीय निकायों की मतदाता सूची में पारदर्शिता और निष्पक्षता के लिए जिला स्तरीय स्टैंडिंग कमेटी की बैठक मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में अपर कलेक्टर जेएस बघेल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पंचायतों एवं नगरपालिकाओं के निर्वाचन के लिए 1 जनवरी 2021 की संदर्भ तारीख के आधार पर पंचायतों की फोटो युक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण के लिए निर्धारित कार्यक्रम से अवगत कराया गया। इस बैठक में राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों ने आवश्यक सुझाव भी रखे। इस बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी- कर्मचारी व विभिन्न राजनैतिक दलों के पदाधिकारी मौजूद थे।

कलेक्टर ने अधिकारियों के साथ पहुंचकर लगवाया कोरोना वैक्सीन

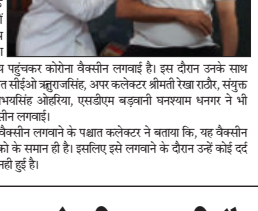

माही की गूंज, बड़वानी। कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा ने बुधवार को प्रशासनिक अधिकारियों के साथ जिला चिकित्सालय पहुंचकर कोरोना वैक्सीन लगवाई है। इस दौरान उनके साथ जिला पंचायत सीईओ ऋतुराजसिंह, अपर कलेक्टर श्रीमती रेखा राठौर, संयुक्त कलेक्टर अभयसिंह ओहरिया, एसडीएम बड़वानी घनश्याम धनगर ने भी कोरोना वैक्सीन लगवाई।

कोरोना वैक्सीन लगवाने के पश्चात कलेक्टर ने बताया कि, यह वैक्सीन भी आम टीको के समान ही है। इसलिए इसे लगवाने के दौरान उन्हें कोई दर्द या परेशानी नही हुई है।

स्मैक पाउडर की खरीद फरोख्त करते तीन आरोपी धराए

माही की गूंज, खरगोन।

थाना प्रभारी मंडलेश्वर ने मुखबीर से सूचना प्राप्त हुई कि, कमल उर्फबाबा ग्राम कवडिया में तीन व्यक्ति अवैध रुप से स्मैक की खरीद फरोख्त कर रहे हैं। सूचना पर मंडलेश्वर थाना प्रभारी प्रवीणसिंह राठौड़ अपने पुलिस दल के साथ मुखबीर के बताए हुए स्थान पर पहुंचे। जहां तीन व्यक्ति स्मैक की खरीद फरोख्त कर रहे थे, जिन्हे घेराबंदी कर पकड़ा गया। पुलिस पुछतताछ में आरोपीयों ने अपना नाम कमल उर्फ बाबा पिता गजानंद निवासी ग्राम करोंदिया, राहुल पिता भुरा वर्मा निवासी राज मोहल्ला महु जिला इंदौर तथा अरुण पिता संतोष योगी निवासी बाहेती कालोनी सनावद जिला खरगोन का बताया। कमल उर्फबाबा के हाथ में रखी प्लॉस्टिक की दो छोटी-छोटी थैलियों में स्मैक जैसा मादक पदार्थ भरा हुआ मिला। वहीं कमल की तलाशी करने पर कुर्ते के दाहिनी तरफजेब में दो प्लॉस्टिक की छोटी-छोटी थैलिया मिली जो स्मैक पाउडर की तरह दिख रहा था।

प्राप्त जानकारी के अनुसार तीनों आरोपियों के कब्जे से 13 ग्राम स्मैक पाउडर जब्त किया, जिसकी किमत 23 हजार 400 रुपए है। आरोपियों के विरूद्ध थाना मंडलेश्वर पर अपराध क्रमांक 64/2021 धारा 08/21 स्वापक औषधि और मन प्रभावी पदार्थ अधिनियम 1985 का पंजीबद्ध किया गया।

आबकारी विभाग ने छापामार की अवैध शराब जप्त

माही की गूंज, बड़वानी। आबकारी विभाग की टीम ने एबी रोड़ पर जामली नाके के पास एक पीकअप वाहन एवं एक अल्टो कार को रोककर तलासी ली, जिसमें से 13 लाख 98 हजार 590 रूपए मूल्य की देशी एवं विदेशी मदिरा की 104 पेटी जप्त कर 6 आरोपियों को हिरासत में लिया है। आरोपियों पर मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915, संशोधित 2000 की धारा 34 (1) एवं धारा 34 (2) के तहत प्रकरण दर्ज किया है। प्राप्त जानकारी अनुसार उक्त दोनो वाहनो से रायल स्टेग की 5 पेटी, मेजिक मूवमेंट की 2 पेटी, बेगपाइपर की 5 पेटी, गोवा व्हीस्की की 30 पेटी, लेमाउन्ट बीयर की 40 पेटी एवं प्लेन देशी मदिरा की 22 पेटी जप्त की गई हैं।

इस कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी जीएस धुंध, सुश्री ममता भवेल, सेंधवा वृत्त प्रभारी उपनिरीक्षक योगेश टटवाडे, उडनदस्ता प्रभारी आनंदपालसिंह मण्डलोई, उपनिरीक्षक कपिलकुमारसिंह मांगोदिया, बीएस जमरा, कमलेश बामनिया, मुख्य आरक्षक राजेन्द्र जायसवाल, आरकक्ष सुदेश आचार्य, विजय चंदेल का सराहनीय योगदान रहा।

खंडन जाहिर सूचना

यह कि नगर पेटलावद जिला झाबुआ म.प्र. के वार्ड क्र. 08, कानवन रोड, गली न. 01 पर मैरे पक्षकार मुकेश पिता आयदानजी मुलेवा के स्वामित्व व आधिपत्य का एक भु-खण्ड 20 फिट चौडा व 90 फिट लम्बा स्थित है। मेरा पक्षकार उक्त भुखण्ड का रजिस्टर्ड स्वामी है। मैरे पक्षकार के उक्त भूखण्ड को हडपने की गरज से रामा पिता मोडाजी पडियार, शंकर पिता मोडाजी पडियार, रमेश पिता चैनालाल पडियार, सरिता पति रमेश पडियार निवासीगण- पेटलावद के पूर्ण अवैध, फर्जी तरिके से उक्त भु-खण्ड को हडपने की गरज से असत्य जाहिर सुचना का प्रकाशन करवाया है। मैरे पक्षकार ने उक्त भूखण्ड नंदलाल पिता सामाजी पडियार से क्रय किया है तथा उक्त भुखण्ड विक्रेता नंदलाल के पिता की स्व. अर्जित सम्पत्ति रही है। जबकि स्व. मोडाजी पडियार की सम्पत्ति का बँटवारा पूर्व मे ही हो चुका है। सूचना प्रकाशनकर्ताकण रामा आदि भी हिस्सा ले चुके है, किंतु ये लोग फर्जी व अवेध तरिके से इस भूमि को मोडाजी की पैत्रक भूमि बताकर असत्य कार्यवाही कर रहे है, जबकि इस सम्बंध मे मैरे पक्षकार मुकेश व विक्रेता नंदलाल पडियार ने इन लोगो को लिगल नोटीस भी भेजे जिन्हे इन लोगो ने लेने से इंकार कर दिया है। जाहिर सूचनाकर्ता रामा, रमेश आदि को इस सम्पतित मे कोई भी अधिकार प्राप्त नही है।

आर.के. चतुर्वेदी, एडवोकेट
पेटलावद जिला झाबुआ
मो.न. 9425102323

जिला नोटरी संघ की बैठक में विभिन्न प्रस्ताव किए गए पारित

प्रस्तावों पर कार्रवाई हेतु प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को सौंपा पत्र

माही की गूंज, झाबुआ।

मप्र शासन विधि और विधायी कार्य विभाग भोपाल द्वारा जारी परिपत्र क्रमांक 54-21-ब(दो), दिनांक 20 जनवरी 2021 से जारी निर्देशों के अनुसार, जिसमें नोटरी अधिवक्ताओं को विवाह के संबंध में एवं विवाह विच्छेद आदि के दस्तावेजों को तस्दीक करने पर संपूर्ण रोक लगाते हुए इस कदाचरण की श्रेणी में मानते हुए कार्रवाई किए जाने के संबंध में उल्लेख किया गया है। जिस पर नोटरी संघ जिला झाबुआ की झाबुआ, मेघनगर, थांदला, रानापुर एवं पेटलावद इकाईयों की बैठक में सर्वानुमति से विभिन्न प्रस्ताव पारित किए गए है। प्रस्ताव की प्रति एसडीएम झाबुआ एमएल मालवीय को प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम सौंपकर इस पर आवश्यक कार्रवाई हेतु निवेदन जिला नोटरी संघ की ओर से किया गया है।

जिला नोटरी संघ से जुड़े एवं वरिष्ठ अधिवक्ता जगदीशचन्द्र नीमा ने बताया कि नोटरी एक्ट 1952 भारतीय संसद द्वारा पारित और केंद्र शासन द्वारा प्रभावशाली किया गया अधिनियम है। जिसमें किसी लिखित के निष्पादन को सत्यापित, अधिप्रमाणित या अनुप्रमाणित करने, किसी व्यक्ति को शपथ देना या उससे शपथ-पत्र लेना, भारत से बाहर किसी देश या स्थान में निवास करने के लिए आशयित किसी दस्तावेज की ऐसे प्रारूप में ऐसी भाषा में जो उस स्थान की विधि के अनुरूप, जहां ऐसे विलेख का प्रवर्तन आशयित है, तैयार करना, अधिप्रमाणित या अनुप्रमाणित करना, एक भाषा से दूसरी भाषा में किसी दस्तावेज का अनुवाद करना और ऐसे अनुवाद को सत्यापित करना, यदि किसी न्यायालय या प्राधिकारी द्वारा ऐसा निर्देश दिया जाए, तो किसी सिविल या दांडिक विचारण में साक्ष्य अभिलिखित करने के लिए आयुक्त के रूप में कार्य करना, यदि ऐसा आपेक्षित हो तो मध्यस्थ, बिचौलिया या सुलहकार कार्य करना, कोई अन्य कार्य करना जो विहित किया जाए, उपरोक्त के अतिरिक्त संसद द्वारा पारित शपथ अधिनियम 1969, विषेष विवाह अधिनियम 1954 के प्रावधानों के अनुसार विवाह को पंजीकृत करवाने के लिए उभयपक्ष एवं साक्षियों के शपथ-पत्र अनिवार्य होने से उन्हें तस्दीक करना, मप्र झाबुआ और आलीराजपुर तथा पड़ौसी गुजरात राज्य दाहोद जिले में 60 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोग निवास करते है, इन लोगों के लिए भारतीय आजादी 72 वर्ष गुजर जाने के बाद भी आज तक विवाह संस्कार के संबंध में कोई अधिनियम प्रभावशाली नहीं होने से प्रायः शपथ-पत्र लिखवाया जाकर और उन्हें नोटरी से तस्दीक करवाकर विवाह संपन्न किए जाते है। उपरोक्त प्रावधानों के अनुसार नोटरी एक वैधानिक कार्रवाई होकर उन्हें नोटरी के रूप में मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी के अधिकारी प्राप्त है।

मप्र शासन ने जल्दबाजी में जारी किए निर्देश

पत्र में आगे कहा गया कि मप्र शासन द्वारा लगातार वर्ष 2012 से मांग किए जाते रहने पर भी आज तिथि तक एडवोकेट प्रोटेक्षन एक्ट प्रभावशाली नहीं किया गया है वहीं संदर्भित परिपत्र, दिनांक 20 जनवरी 2021 में वैधानिक स्थिति और आवश्यकताओं पर पर्याप्त विचार किए बिना जल्दबाजी में केंद्रीय कानूनों को निष्प्रभावी करते हुए जारी कर दिया गया है। जिस पर तत्काल पुर्नविचार की बात करते हुए जिला नोटरी संघ की ओर उक्त प्रस्तावों की प्रतिलिपि पत्र के रूप में एसडीएम झाबुआ मालवीय को प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम सौंपकर इस पर आवश्यक कार्रवाई की मांग की गई है।

यह रहे उपस्थित

एसडीएम मालवीय को यह पत्र सौंपते समय जिला नोटरी संघ झाबुआ से जुड़ी जगदीशचन्द्र नीमा, प्रमोद तिवारी, अर्चना राठौर, उत्तम जैन, स्वपनिल सक्सेना, अशोक राठौर, विरेन्द्र मोदी, सत्यम् भट्ट, रानापुर जगदीश हरशोला के साथ मेघनगर, थांदला एवं पेटलावद इकाईयों के भी नोटरी से जुड़े अधिवक्तागण बड़ी संख्या में रहने के साथ विशेष रूप से अधिवक्ता संघ झाबुआ के अध्यक्ष बद्रीलाल सोनी भी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने सुनी आम जनता की समस्याएं

माही की गूंज, झाबुआ।

कलेक्टर रोहित सिंह द्वारा मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आम जनता की समस्याएं सुनी गई और उनका तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए गए। इस जनसुनवाई में 66 आवेदन पत्र प्राप्त हुए। कलेक्टर सिंह ने जिले में प्रति मंगलवार जिला मुख्यालय, अनुविभाग तथा विकास खण्ड स्तर पर जनसुनवाई आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। इन अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे आम जनता की समस्याएं प्राप्त होने पर उनका तत्काल निराकरण करें। प्रयास यह किया जाए कि ग्राम पंचायत विकास खण्ड तथा तहसील स्तर पर समस्याओं का निराकरण सुनिश्चित किया जाए। आम जनता को समस्याओं के निराकरण के लिए कार्यालयों के चक्कर न काटना पड़े। इसलिए ग्राम पंचायत तथा जनपद पंचायत स्तर पर समस्याओं का निराकरण किया जाना सुनिश्चित करें।

कलेक्टर सिंह ने झाबुआ अनुविभाग के एक ग्रामीण ने उनकी कृषि भूमि पर अन्य व्यक्तियों द्वारा अवैध रूप से कब्जा करने के प्रयास की शिकायत करने पर कलेक्टर सिंह ने इस शिकायत को गम्भीरता से लेते हुए अनुविभागीय अधिकारी को निर्देश दिए हैं कि अवैध रूप से कब्जा करने के प्रयास करने वालों को जेल भेजने के और संबंधित तहसीलदार को शौकाज नोटिस जारी करने तथा तहसीलदार के रिडर को निलंबित करने के निर्देश दिए। इस जनसुनवाई में ग्रामीणों द्वारा वन भूमि के पट्टे प्रदाय करने का अनुरोध किया गया। जिस पर कलेक्टर सिंह ने मुख्य सचिव द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुरूप वन भूमि के पट्टे प्रदाय करने के लिए प्रकरणों का पुनः परीक्षण करने के निर्देश दिए।

इस जनसुनवाई में ग्राम गोमला के अजनार फलिया, ग्राम झिरावदिया के वाखला फलिया, ग्राम डिग्गी, लसुरिया मोद, ग्राम गोमला के कटड़ा फलिया, ग्राम डेबर के टोड़ी फलिया, ग्राम डुंगरा लालू, ग्राम उमरी के भमरिया फलिया, ग्राम डिग्गी के भाछू फलिया, गुमला के खराड़ी फलिया के ग्रामीणों ने पेयजल के समस्या के निदान के लिए नवीन हैण्डपम्प खनन करने का अनुरोध किया। कलेक्टर सिंह ने कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को आवेदन भेजकर आवेनद पत्रों का परीक्षण कर तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए। इस जनसुनवाई में जमीन का मुआवजा दिलाने, खाद्यान्न उपलब्ध कराने, पेंशन योजनाओं का लाभ दिलाने, जमीन का कब्जा दिलाने, कपील धारा योजना की राशि दिलवाने, आर्थिक सहायता इत्यादि से संबंधित आवेदन पत्र प्रस्तुत किए गए। इस जनसुनवाई में अपर कलेक्टर द्रय जेएस बघेल, एमएल मालवीय, संयुक्त कलेक्टर सोहन कनास, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी दिनेश वर्मा सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

जिला अधिकारियों को नगर के विभिन्न वार्डो का निरीक्षण करने के निर्देश

माही की गूंज, झाबुआ।

प्रदेश के साथ-साथ जिले में स्वच्छता सर्वेक्षण अभियान 4 मार्च से 31 मार्च तक चलाया जाएगा। कलेक्टर रोहित सिंह ने अवगत कराया कि कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत भी साईकल से समय-समय पर नगर में प्रातः भ्रमण करेगें। कलेक्टर सिंह ने विभिन्न विभागों के जिला अधिकारियों को निर्देश दिए है कि वे नगर के विभिन्न वार्डो का साईकल से भ्रमण कर जायजा लें। साथ ही अनुविभागीय अधिकारियों राजस्व तथा तहसीलदारों को भी अपने-अपने नगरीय क्षेत्र में भ्रमण करने के निर्देश दिए हैं। सिंह ने निर्देश दिए हैं कि शासन की मंशा अनुरूप नगरीय क्षेत्रों को प्रथम स्थान पर लाने के लिए हर संभव कोशिश की जाए।

अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा नगर का ब्रांच डिसपेंसरी अस्पताल

माही की गूंज अलीराजपुर, संजय गेहलोद/इरशाद मंसूरी

जिला मुख्यालय नगर के मध्य एमजी रोड स्थित ब्रांच डिसपेंसरी यानि छोटा अस्पताल इन दिनों अपनी दयनीय दास्तां सुनाकर अपनी बदहाली के लिए आँसू बहा रहा है। उक्त छोटा अस्पताल विगत दस वर्षों से बंद होकर खंडहर में तब्दील होता नजर आ रहा है, बावजूद इसके शासन-प्रशासन के जिम्मेदार नुमाइंदे भी इस जनहित के मुददे को नजर अंदाज कर नागरिको को सुविधाओ से वंचित कर राहत प्रदान करवाने मे असफल दिखाई दे रहे है। बहरहाल शासन-प्रशासन को चाहिए कि, वह जनहित के मुद्दे को देखते हुए उक्त ब्रांच डिसपेंसरी को शुरू करने की पहल करने की दिशा में कार्य करना चाहिए, जिससे नगरवासियो को कुछ हद तक राहत मिल सके।

ब्रांच मध्य होने से मिलता था फायदा

जानकारी के अनुसार उक्त ब्रांच डिसपेंसरी यानि छोटा अस्पताल नगर के मध्य एमजी मार्ग पर विगत कई वर्षों से संचालित होता आ रहा था, जिससे नगरवासियों तथा मरिजो को दिन हो या रात को उपचार की त्वरित सुविधाएं मिल जाया करती थी। गौरतलब है कि, जिला अस्पताल नगर से करीब एक किमी की दूरी पर है और मरिजो को आने-जाने मे बहुत समय लगता है, जिसके पास वाहन साधन है वह चला जाता है एवं जिसके पास वाहन सुविधा नही है वह पेदल ही जिला चिकित्सालय तक पहुंचकर अपना उपचार करवाता है।

बता दे कि, ब्रांच डिसपेंसरी नगर के बिचो-बिच होने से नगरवासियों को एमरजेंसी उपचार के समय बहुत राहत मिलती थी, रात के समय मरिजो का सही समय पर प्रारंभिक उपचार हो जाया करता था। मगर अफ्सोस कि, उक्त अस्पताल के बंद हो जाने से नगरवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, उन्हे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय की और रुख करना पड रहा है।

खंडहर में तब्दील हुआ अस्पताल

विगत दस वर्षों से उक्त ब्रांच डिसपेंसरी के बंद होने से यह भवन जर्जर होकर खंडहर में तब्दील हो गया है। वर्तमान मे उक्त डिसपेंसरी की स्थिति बहुत ही दयनिय हो गई है, जिसे देखकर ऐसा प्रतित होता है कि, भवन रियासत कालिन से ही खंडर होकर पडा है। वहीं डिसपेंसरी के आस-पास दुकानदारो ने अतिक्रमण कर अपनी-अपनी दुकाने संचालित कर रहे है। जिला चिकित्सालय की दुरी होने से आमजनो द्वारा शासन-प्रशासन से पुनः ब्रांच डिसपेंसरी को चालु करने की मांग समय-समय पर की जा रही है। इस संबध मे नगरवासियो का कहना हे कि, नगर के मध्य उक्त ब्रांच अगर प्रारंभ हो जाता है तो आमजनो को बहुत राहत मिलेंगी, विशेषकर रात्री के दौरान मरिजो को प्रारंभिक उपचार सही समय पर मिल जाएंगा, जिससे उसकी जान बचाई जा सके। नगरवासियो का कहना है कि, शासन-प्रशासन को उक्त ब्रांच डिसपेंसरी को दस बिस्तर वाला अस्पताल की सौगात देकर चिकित्सको एवं स्टॉफके साथ शुरु करना चाहिए।

सूत्र अनुसार नगर के कई स्वयंसेवी संगठनों ने नेताओ व अधिकारीयो के सामने इस मामले को कई बार प्रमुखता से उठाया, साथ ही मुख्यमंत्री एवं मंत्रियो को भी अवगत करा चुके है। मगर कोरे आश्वासन के अलावा उन्हें कुछ भी नही मिला। बहरहाल शासन-प्रशासन की बैरुखी के बिच नगरवासी आज भी उक्त ब्रांच के प्रारंभ होने के इंतजार मे है।

इस संबध मे जिला चिकित्सालय के सिविल सर्जन डॉ. केसी गुप्ता ने बताया कि, यह बात सही है कि विगत दस वर्षो पुर्व ब्रांच डिस्पेंसरी नगर के मध्य जिला चिकित्सालय के स्टॉफके माध्यम से संचालित हुआ करती थी, परंतु अब इस भवन जर्जर होकर उसका डिस्मेंटल किया जा चुका है, जिससे उक्त ब्राच अभी बंद है। अर्बन हैल्थ मिशन के अंतर्गत हैल्थ एंड वेलनेस सेंटर का संचालन किया जा सकता है, जिससे नगरवासियो को प्रारंभिक उपचार एवं टिकाकरण की सुविधाए मिल सकती है, जिसके प्रयास किए जा रहे है।

मुस्लिम दफ्तर दारुल कजात व मुस्लिम पंच कमेटी ने एसपी श्रीवास्तव के विदाई समारोह का किया आयोजन

माही की गूंज, अलीराजपुर।

स्थानिय जामा मस्जिद चौक पर मुस्लिम दफ्तर दारुल कजात एवं मुस्लिम पंच कमेटी ने शुक्रवार की नमाज के बाद पुलिस अधीक्षक विपुल श्रीवास्तव का स्थानांतरण नरसिंहपुर हो जाने पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान शहर काजी सैयद अफ्जल मियां एवं समाजजनो ने एसपी श्रीवास्तव को गुलदस्ता, प्रशंसा-पत्र एवं शिल्ड प्रदान कर उनका सम्मान किया गया। इस दौरान समाजजनो ने उनके कार्यकाल मे कानुन व्यवस्था एवं अपराध पर अंकुश लगाने की कार्रवाई की सराहना करते हुए भविष्य की दिली मुबारकबाद दी।

इस अवसर पर एसपी श्रीवास्तव ने कहा कि, समाजजनो ने जो मान-सम्मान दिया है वह उसके लिए शुक्रगुजार है, विगत तीन साल जिले मे रहकर वह खुद को जिले का निवासी महसुस करने लगे थे। यह जिला आपसी सामाजिक सौर्हाद्ध के लिए जाना जाता है, जिले मे सामाजिक समरसता बरकरार है।

इस अवसर पर प्रभारी शहर काजी सैयद हनीफ मियां, जामा मस्जिद सदर सलीम खान, सैयद मोहसीन मियां, सिराज तन्हा, शाबीर बाबा, डॉ. शकील शैख, रफीक कुरैशी, जुबेर निजामी, इरशाद मंसुरी, ईरफान बरकाती, साजीद मकरानी, मोहम्मद फफटवाला, मोहम्मद हुसैन पाकीजा, डॉ. एएम शेख, साबीर शेख, खुर्शीद अली दिवान, सरताज वारसी, तोसीफ एलची, असलम मुगल आदि उपस्थित थे।

आदिमजाति सेवा सहकारी संस्था के कर्मचारी कलमबंद हड़ताल पर

माही की गूंज, झाबुआ/अलीराजपुर।

अलीराजपुर के आदिम जाति सेवा सह संस्था के समस्त कर्मचारी सहकारी समिति कर्मचारी महासंघ भोपाल के आव्हान पर व सहकारिता संस्था कर्मचारी संघ झाबुआ के निर्देश पर अपनी उचित मांगो को लेकर 5 फरवरी से अनिश्चितकालीन कलमबंद आंदोलन पर है। उनके साथ मे शाखा थांदला के अंतर्गत आदिम जाति थांदला, परवलिया, खजूरी, बड़ीधामनी, काकनवानी, हरिनगर के भी समस्त संस्था कर्मचारी भी कलमबंद आंदोलन पर है। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक शाखा थांदला के प्रबंधक पारसिंग मुणिया ने महाप्रबंधक उक्त जानकारी भेजकर अवगत करवाया जा चुका है।

बता दे कि, झाबुआ-अलीराजपुर आदिवासी बाहुल्य होकर अधिकांश संख्या किसानों की है इस वजह से बैंक व संस्था के कार्य प्रभावित हो रहे है वही ऋण वसूली, शासकीय उचित मूल्य की दुकानों के बंद होने से पीडीएस शशन बांटने का कार्य भी प्रभावित हो रहा है। ीथ ही आईएफएसएस सॉफ्टवेयर में समस्त प्रकार के खाद की कम्पनीवार प्रविष्टि के कार्य भी प्रभावित हो रहे है। जिसके कारण संस्था के दैनिक कार्य भी संचालित नही हो पा रहे है। बहरहाल जो भी हो आंदोलन, हड़ताल, बंद से शासन को तो नुकसान होता ही है परंतु मध्यम वर्ग, किसानों को बे वजह परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शासन-प्रशासन से अनुरोध है कि, कर्मचारियों की वाजिब मांगो का निराकरण कर गरीब, किसानों को जल्द ही आंदोलन से मुक्ति दिलवाए।

स्वाती नैशनल रोड़ सेफ्टी एवार्ड से हुई सम्मानित

माही की गूंज, अलीराजपुर।

अलीराजपुर में पली-बडी व इन्दौर शहर की एसजीएम हाईट्स इंटरनेशनल स्कुल की संचालिका सुश्री स्वाति पाण्डेय को इन्दौर के आयजी, पुलिस अधीक्षक, डीएसपी की उपस्थिति मे हरिनारायणचार्य मिश्रा ने नेशनल रोड़ सेफ्टी एवार्ड से समानित किया। जिसपर सुश्री स्वाति को परिजनो के साथ अजय राय हरपालपुर, गीता जोशी सुरत, डॉ. फतेमा हुसैन, दुरैया शाहेद, अमिता धुत बांसवाडा, सीमा वाघेला झाबुआ, रचना जोशी, साधना शाह दाहोद, राधेश्याम वर्मा जैलर महिदपुर, रजिया खुमुशी दुबई, रुपा शर्मा, फरजाना खुमुशी, अंजू मोदी खैतिया, प्रोफ्सर सरोज हाड़ा देवास, सुनीता धैपडीया दिल्ली, अनिता राठौर, फरीदा मर्चेंट, अजब मर्चेंट जामनगर ने शुभकामनाएं देते हुए स्वाति को अपनी उल्लेखनीय सफ्लता पर बधाइयाँ प्रेषित की।

स्वाति ने स्नातक आलीराजपुर से व स्नाकोत्तर, एलएलबी एवं बीएड की उपाधि इन्दौर से हासिल करने के बाद शिक्षण के साथ ही बिजलपुर गाँव में महिलाओं को शिक्षा देने का जिम्मा उठाया, ऐसे मे परिजनों के विरोध के बावजूद भी अपने स्वयं के अध्ययन के साथ-साथ लडकीयों पढाने का कार्य किया।

सुश्री स्वाति हमेशा से ही बच्चों को कम से कम शुल्क पर शिक्षा कैसे उपलब्ध इसके लिए प्रयासरत थी, आज अपने उसी मिशन मे कामयाब होते हुए इन्दौर क्षेत्र मे किड्स केअर हायर सेकेंडरी स्कूल संजयनगर बिजलपुर 1991 से, न्यू किड्स केअर हा.से. स्कूल उमरिया महु 2007 से, एसजीएम हाइट्स इंटरनेशनल स्कूल एक्रा पाइंट उमरिया महु 2013 से, एसजीएम स्कूल रेवती भौरासला अरविंदो के पिछे इंदौर 2018 से संचालित है।

अलीराजपुर महाविद्यालय मित्र मण्डल 13 फरवरी को इंदौर महेश्वर मे सुश्री स्वाति पाण्डेय का सम्मान समारोह का आयोजन करने जा रहे हैं। उक्त आयोजन में परीजनो के साथ ईस्ट मित्र शामिल होंगे।

धर्मांतरण का प्रकरण हुआ दर्ज

माही की गूंज, उदयगढ़ (अलीराजपुर)।

जिले में धर्म स्वतंत्रता अध्यादेश अधिनियम 2020 के अंतर्गत पहला प्रकरण उदयगढ़ थाना पुलिस ने दर्ज किया, हिंदू युवा जनजाति संगठन के धरना प्रदर्शन के बाद पुलिस ने इस तरह का पहला मामला दर्ज किया है।

उदयगढ़ थाना प्रभारी पीएस डामोर ने बताया कि, क्षेत्र के अंतर्गत जामुखेड़ा ग्राम में बने चर्च में कुछ आदिवासी समाज के युवकों के साथ ईसाई समुदाय का पादरी दिलीप सिंह धर्म परिवर्तन को लेकर गुमराह कर रहा था। इसी दौरान हिंदू जनजाति संगठन के कार्यकर्ताओं को इस घटना की जानकारी मिली तो, वे जामुखेडा गांव पहुंचे वही इन दोनों के बीच बहस होने लगी, घटनाक्रम की खबर उदयगढ़ पुलिस को मिलने के बाद वे दल-बल के साथ घटनास्थल पहुंचे, जहां से दोनों पक्षों के लोगों को लेकर थाने आए।

थाने आकर संगठन के लोगों ने ईसाई पादरी दिलीप सिंह के खिलाफमध्य प्रदेश धर्म स्वतंत्रता अधिनियम 2020 के अंतर्गत दर्ज करने के लिए आवेदन दिया, लेकिन पुलिस इस पर जांच करने के बाद प्रकरण दर्ज करने का हवाला देने लगी, जिससे हिंदू संगठन के लोग आक्रोशित हो गए और थाने परिसर में धरने पर बैठ गए। थाना प्रभारी डामोर ने 6 बजे के बाद प्रकरण दर्ज करने का आश्वासन दिया। लेकिन शाम 7 बजे तक पादरी के खिलाफ प्रकरण दर्ज नहीं होने के चलते संगठन के लोग थाना परिसर मे जय बिरसा, जय श्री राम के नारे लगाने के साथ धरने पर बैठ रहे।

उक्त धरने की जानकारी पूर्व विधायक माधव सिंह डावर, नागर सिंह चैहान, राकेश अग्रवाल, भदू पचाया, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष मोंटी डावर, मुकाम सिंह डावर, आजम सिंह अवासिया को मिलने के बाद वो भी थाना परिसर में पहुंचे और धरने को समर्थन दिया।

इसी दौरान भोपाल निवासी शीला क्लेमंट और बेतूल निवासी भूरी बाई लाजरस जय यीशु के नारे लगाती हुई थाना परिसर में पहुंची और हिंदू संगठन के लोगों से अभद्र व्यवहार करने लगी। जिससे संगठन के लोग आक्रोशित होकर युवतियों के खिलाफएक्रोसिटी एक्ट के अंतर्गत प्रकरण दर्ज करने की मांग करने लगे। धरना प्रदर्शन में लोगों की बढ़ती संख्या और बढ़ते आक्रोश के चलते अंततः पादरी दिलीप रूप सिंह के खिलाफमध्य प्रदेश धर्म स्वतंत्रता अध्यादेश 2020 की धारा 3, 5 तथा दोनों युवतियों के खिलाफएक्रोसिटी की धारा 294, 3, 2 वीए ,3, 10 के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज किया गया। मोके से युवती शीला और बुरी भाई को भी गिरफ्तार किया गया।

उक्त धरने के बाद जिलाध्यक्ष हिन्दु युवा जनजाति संगठन आलीराजपुर दिलीप चौहान ने कहा कि, हिन्दु युवा जनजाति संगठन हिन्दु समाज की परम्परा, संस्कृति और रीति-रिवाज़ की रक्षा के लिए हमेशा तत्पर रहेगा और साथ ही इस तरह धर्मांतरण कराने वालो के लिए हमेशा आवाज़ उठाता रहेगा।

पटवारियों के एकता सम्मेलन में सपरिवार तनाव दूर करने का प्रयास, नृत्य, गान तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया

माही की गूंज, आम्बुआ (अलीराजपुर)

राजस्व विभाग में पटवारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है इन्हें अपने विभागीय कार्यों के अतिरिक्त अन्य अनेक सामाजिक कार्य को भी समय-समय पर शासन-प्रशासन के निर्देशानुसार करना पड़ता है, प्राकृतिक आपदाओं के समय इनकी विशेष भूमिका रहती है विगत वर्ष कोरोना काल में भी यह विभाग अपने तथा परिवार की चिंता किए बगैर समाज सेवा में जुड़ा रहा। अब जबकि कोरोना काल का असर कुछ कम हुआ तो जिला पटवारी संघ ने तनाव भगाने हेतु एक छोटा किंतु बेहतरीन आयोजन सपरिवार सहित संपन्न कर किया, जिसका नाम एकता सम्मेलन दिया गया।

अलीराजपुर जिला पटवारी संघ के जिलाध्यक्ष नितेश अलावा ने बताया कि, राजस्व विभाग की प्रमुख कड़ी कहे जाने वाले पटवारी अपने विभाग के अलावा अन्य विभागों के भी कई कार्यों को अंजाम देते हैं, विभागीय शाखा को बनाए रखने हेतु अपनी निजी समस्याओं को दरकिनार रखते हुए 12 से 14 घंटे तक कार्य करते हैं, कई बार शासकीय अवकाश, त्योहारों होने के बावजूद व्यवस्था बनाए रखने में लग जाते हैं। विगत वर्ष भी कोरोना काल में हम पटवारियों ने प्रशासन के साथ मिलकर महामारी को फैलने से रोकने में महती भूमिका अदा की, अनेकानेक परेशानियों के बीच में अपने परिवार को भी समय नहीं दे पाते हैं। इसलिए जिला पटवारी संघ ने निर्णय लिया कि, रविवार छुट्टी के दिन जिले भर के लगभग 120 पटवारी सपरिवार एक आयोजन करें। यह आयोजन जिला से दूर आंबुआ में रखा गया है जहां पर महिला पटवारी पारिवारिक वेशभूषा में उपस्थित हुई, सभी ने मिलकर सांस्कृतिक कार्यक्रम जिसमें नृत्य, गायन, सामूहिक गान, चुटकुले, आदि अनेक मनोरंजन प्रद कार्यक्रम के साथ सामूहिक भोजन संपन्न कर तनाव को भगाया। कार्यक्रम का संचालन सुषमा जमरा ने किया तथा रश्मि गुप्ता ने किया अंत कर आभार माना।

32 वें यातायात माह में जागरूकता के लिए किया नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन

माही की गूंज, अलीराजपुर।

32 वें यातायात माह के तहत जन जागरूकता हेतु नुकक्ड नाटक के प्रदर्शन के माध्यम से आमजन को जागरूक किया गया। नुक्कड नाटक दल ने आमजन को जागरूक करने के लिए बस स्टैंड पर यातायात नियमों का पालन करते हुए सुरक्षात्मक उपायों के बारे में बताया तथा आमजन से आह्वान किया गया कि, वे यातायात नियमों का पालन करें।

जिला परिवहन अधिकारी आरके यादव ने बताया कि, यातायात जागरूकता के लिए वाहन चालकों को चार पहिया वाहन संचालन के दौरान सीट बेल्ट, दोपहिया वाहन संचालन के दौरान हेलमेंट का उपयोग अनिवार्य रूप से किये जाने के संबंध में जागरूक करने का कार्य किया जा रहा है। साथ ही वाहन संचालन के दौरान मोबाइल का उपयोग नहीं करने की समझाइश दी जा रही है। इसके लिए समझाईश और नुक्कड नाटक के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

आबकारी अधिकारी रंगशाही व शराब ठेकेदारों की मिलीभगत से क्षेत्र में बिक रही अवैध शराब-पटेल

मुख्यमंत्री व कलेक्टर की सद्धबुद्धि के लिए सुंदरकाण्ड कराएंगी जिला कांग्रेस

माही की गूंज, अलीराजपुर।

आज जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष महेश पटेल ने जिला कांग्रेस कार्यालय पर पत्रकार वार्ता में कहा कि, मुख्यमंत्री एवं भाजपा नेता उमा भारती आगामी 8 मार्च से प्रदेश मे शराब बंदी अभियान की शुरुआत करने जा रही है, उमाजी अगर प्रदेश के आदिवासी बाहुल्य अलीराजपुर जिले से शराब बंदी की शुरुआत करती है तो हम सब मिलकर उनका समर्थन कर स्वागत करेंगे। जिला आबकारी विभाग अधिकारी एवं कतिपय ठेकेदारो की मिलिभगत से जिले मे अवैध शराब का कारौबार धडल्ले से चल रहा है, उन पर अभी तक जिला प्रशासन ने कोई प्रभावी कार्रवाई नही की है। इस मामले को लेकर जिला कांग्रेस द्वारा आगामी दिनो मे जिला मुख्यालय पर मुख्यमंत्री एवं कलेक्टर की सद्धबुद्धि हेतु यज्ञ एवं सुंदकाण्ड का आयोजन किया जाएंगा।

जिले मे बैखोफहो रहा अवैध शराब का परिवहन

महेश पटेल मे बताया कि, जिले में उमराली, सोण्डवा, छकतला, कट्ठीवाडा, चंद्रशेखर आजाद नगर, जोबट, उदयगढ, आंबुआ, चांदपुर, सेजावाड़ा आदि में स्थित शासकीय देशी-विदेशी शराब की दुकानों पर आबकारी विभाग, पुलिस विभाग एवं शराब ठेकेदारों की मिलीभगत से इन दिनों बड़े पैमाने पर अवैध शराब विक्रय का कारोबार जोर-शोर से चल रहा है। इन दुकानों से वाहनों के माध्यम से जिले एवं समीपवर्ती गुजरात, महाराष्ट्र प्रांत में अवैध रूप से शराब का परिवहन किया जा रहा है। सरकारी दूकानों पर तीन बोतल से ज्यादा शराब देने का प्रावधान नहीं है, परंतु दूकानों से अवैध रूप से छोटे-बड़े वाहनों से रात-दिन बडी मात्रा में शराब बिक रही है। ठेकेदारों ने इन गोदामों में बड़ी मात्रा में अवैध रूप से शराब का भंडारण कर रखा है। शराब ठेकेदारों के सरकारी गोदामों की भी सघन जांच होना चाहिए, इसके बावजूद आबकारी अधिकारी पर कार्यवाही न होना समझ से परे है।

पटेल ने कहा, शराब माफिया खूलेआम आबकारी विभाग के संरक्षण मे नकली जहरीली शराब जिले मे सप्लाई हो रही है, अवैध शराब परिवहन रौकने तथा जिला आबकारी अधिकारी विनय रंगशाही के खिलाफकार्यवाही को लेकर हमारे द्वारा पूर्व मे कई बार कलेक्टर सुरभि गुप्ता को पत्र लिखकर अवगत कराया, बावजुद इसके अभी तक जिला प्रशासन ने कोई कार्रवाई नही की ओर न हि जवाब दिया। उन्होने आबकारी अधिकारी रंगशाही पर आरोप लगाते हुए कहा कि, रंगशाही अधिकांश जिला मुख्यालय पर न रहते हुए इंदौर से ही अपना दफ्तर चला रहे है।

इस मामले को लेकर जिला कांग्रेस आगामी दिनो मे शहरी एवं ग्रामिण जनता के साथ मुख्यमंत्री ओर कलेक्टर की सद्धबुद्धि के लिए यज्ञ ओर सुंदरकाण्ड का आयोजन करेंगी।

गांधीसागर अभयारण्य सहित जिले में की गई गिद्ध की गणना

माही की गूंज, भानपुरा (मंदसौर)।

भानपुरा गांधीसागर अभयारण्य सहित जिले में गिद्ध की गणना की गई। गणना में इस बार बैठे हुए गिद्धों को ही गिना गया। जानकारों के अनुसार एशिया महाद्वीप में महज दो फीसद गिद्ध ही बचे हैं। वही उज्जैन संभाग में गांधीसागर ही केवल एकमात्र ऐसा स्थान है, जहां गिद्ध देखने को मिलते है। जिले में 368.62 वर्ग किमी में फैले गांधीसागर अभयारण्य सहित गरोठ, भानपुरा व मंदसौर के वन क्षेत्र में गिद्ध गणना शुरू की गई है, जिसमें गांधीसागर में कुल सात प्रजाति के गिद्ध मिले हैं, गणना में जिले में 675 गिद्ध मिले हैं, 675 गिद्धों में 88 बच्चे है जबकि 587 वयस्क गिद्ध मिले हैं।

हालांकि यह दो साल पहले हुई गणना से इस बार संख्या कम हैं, पिछली बार जिले में 682 गिद्ध मिले थे, इस बार की गणना में सात गिद्ध कम मिले हैं। हालांकि इतनी संख्या कम होना चिंता की बात नहीं है क्योंकि इतने गिद्ध हो सकता है भोजन के लिए इधर-उधर चले गए होंगे जिस कारण भी गणना में संख्या कम हो सकती है। इस बार गांधीसागर अभ्यारण्य में हिमालयन वल्चर, युरेशियन, सिनेरियस, लांग बिल्ड, व्हाइट बैक, इजीप्शियन एवं किंग वल्चर गिद्धों की प्रजातियां पाई गई। वहीं फरवरी में बर्ड सर्वे होना है लेकिन वन विभाग के अधिकारी अभी तक तारीख तय नहीं कर पाए हैं। शासन द्वारा ठंड के मौसम में गिद्ध गणना कराई जा रही, हिमालयन, यूरेशियन व सिनेरियर गिद्ध दूसरे देशों व अन्य जगह से आते उनकी भी काउंटिंग होती है, शासन को गर्मी में यह गणना कराना चाहिए, जिससे स्थानीय गिद्धों की स्थिति साफहो सके।

रेलवे ने फिर की अपनी परिसीमा की नपती, ग्राम में मचा हड़कम्प

अधिकारी बोले अभी सिर्फनपती हुई कार्रवाई नहीं, नवीन व फर्जी काम्प्लेक्स पे दोहरी मार

माही की गूंज, बामनिया। गौरव मंडोरी

8 फरवरी को रेल्वे ने पुनः अपनी परिसीमा की नपती करवाई, जिससे ग्राम में सनसनी फैल गई। एक ओर तो रेल्वे ने नपती प्रक्रिया कर लोगों में दहशत फैला दी, दूसरी ओर अधिकारियों का कहना है कि, दर्शाई गई रेल्वे सीमा में भवन, दुकानों आदि को हटाने की अभी कोई कार्रवाई नहीं होगी। आम लोग रेल्वे अधिकारियों के कहने के बावजूद अभी भी इस भ्रम में है कि, आखिर जब कोई कार्रवाई नहीं होगी तो रेल्वे ने इस प्रकार अकस्मात नपती क्यों की।

ऐसे हुई नपती

रेल्वे द्वारा मुख्य चौराहे पर दूरी 106.71 मीटर पर एक खम्भा लगाकर अपनी सीमा दर्शाई है। जिसमें ग्राम पंचायत द्वारा हाल ही में बनाई गई अवैध रूप से नवीन दुकाने भी आ रही है और अन्य भवन व दुकानें भी आ रही है, जिसके साथ ही ग्राम के मुख्य चौराहे से लेकर अमरगढ रोड, आश्रम रोड, नारेला रोड और रेल्वे लाईन के दूसरी ओर अपनी सीमा भिन्न-भिन्न दूरी पर चिन्हित की है।

रेल्वे की ये कैसी कार्यवाही

रेल्वे ने मुख्य चौराहे तक अपनी सीमा दर्शाते हुए एक पोल लगा दिया है, जबकि नारेला रोड, आश्रम रोड आदि स्थानों पर भी विभिन्न दूरियों के साथ अपनी सीमा की नपती की है। जिसमें आश्रम रोड क्षेत्र के कई घरों को भी अपनी सीमा में ले लिया है और इधर मुख्य चौराहे पर जहां अपनी सीमा दर्शाई है यदि इन सभी को रेल्वे की वास्तविक सीमा माने तो आखिर राजस्व विभाग ने इन्हें रजिस्ट्रियां किस आधार पर की है यह अहम सवाल है।

नवीन काम्पलेक्स पर दोहरी मार

उल्लेखनीय है कि बामनिया के मुख्य चौराहे पर ग्राम पंचायत द्वारा एमपीआरडी की भूमि पर कथित अवैध काम्पलेक्स रातों-रात तैयार किया था। जिसमें दुकानदारों ने मोटी रकम देकर दुकानें ली है। काम्पलेक्स को लेकर उच्चन्यायालय में प्रकरण विचाराधीन है किन्तु उससे पहले रेल्वे की इस नपती कार्रवाई से इस काम्पलेक्स पर दोहरी मार पडती दिखाई दे रही है। रेल्वे ने मुख्य चौराहे पर काम्पलेक्स के आखरी छोर तक अपनी सीमा दर्शाते हुए जो पोल लगाया है, यदि वास्तव में रेल्वे कार्रवाई कर अपनी भूमि लेती है तो इस काम्पलेक्स पर उच्च न्यायालय से पहले यह गाज गिर सकती है ।

इस सम्बंध में रतलाम मण्डल रेल प्रबन्धक विनीत कुमार गुप्ता ने बताया कि, रतलाम रेल्वे द्वारा पूरे इण्डियन रेल्वे में अपनी सीमा की नपती का कार्य किया जा रहा है, जिसमें वर्तमान में कोई कार्रवाई नहीं होगी, अभी मात्र नपती का कार्य है किसी प्रकार की आपत्ति का निराकरण भी संभव है ।

जल संसाधन विभाग ने बन्द की बोराली तालाब की नहर, पानी के अभाव फसल हो रही खराब

किसानों ने नगर परिषद और चौकीदार पर लगाया पानी चोरी का आरोप

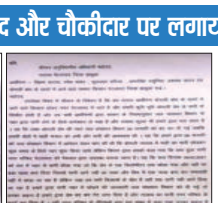

माही की गूंज, पेटलावद।

पेटलावद के बोराली बांध के दायरे में आने वाले किसानो की फसल पानी के अभाव में खराब हो रही है, दूसरी और तालाब से पानी चोरी होकर आधी नहर मनमाने ठंग से चलाई जा रही है जिससे कुछ किसानों को नुकसानी उठानी पड़ रही है। नगर पेटलावद में रहने वाले किसान विक्रम कटारा, रमेश भाभर, भूरालाल हटिला, दहरथ जाटव आदि ने बताया कि, हमारी कृषि भूमि बोराली डेम के पानी से सिंचीत होती है और हम सभी ने शासन के नियमानुसार जल संसाधन विभाग से नहर द्वारा पानी लेने के लिए कनेक्शन ले रखा है और उसका शुल्क भी हमारे द्वारा नियमित रूप से भरा जाता है। लेकिन बोराली डेम की नहर जल संसाधन विभाग ने 29 जनवरी को ही बंद कर दी, जबकि हमारी खेतो मे खडी फसल को अभी और पानी की आवश्यता थी। हमारे द्वारा 6 फरवरी को जल संसाधन विभाग में आवेदन देकर मांग की थी कि, बोराली तालाब में माही का पानी छोडकर कुछ समय के लिए नहर शुरू किया जाए लेकिन विभाग द्वारा हमको कहा गया कि, बचा हुआ पानी नगर परिषद पेटलावद को पेयजल द्वारा उपलब्ध कराया जाना है बोलकर पानी देने से मना कर दिया।

विभाग का चौकीदार और नगर परिषद कर रहि रात में पानी की चोरी

किसानों का आरोप है कि, 9 फरवरी की रात में नहर से पानी छोडा गया जो कि, डेम से एक किलोमीटर तक छोडा गया और वहां पर बडा पाला बना दिया जिससे की पानी आगे नहीं जा सके और बिच में एक नाला बना कर पम्पावती नदी में व्यर्थ ही छोडा जा रहा है। लेकिन जहां हम सभी किसानो के खेत है वहां तक पानी नही आने दिया जा रहा है हमारे द्वारा पानी नहर में छोडने की जानकारी जल संसाधन विभाग को दी गई तो उनका कहना है कि, हमारे द्वारा डेम बंद कर गेट लगा दिया है और तालाब का पानी नगर परिषद के सुपुर्द कर दिया है। वही नगर परिषद के सीएमओ ने इस संबंध में कहा कि, हमारा अधिकार तालाब के पानी पर है नहर में पानी कहा से जा रहा है उससे हमको कोई मतलब नहीं जिसको पानी से सिंचाई करना है करने दो और तुम्हारी फसल सुख रही है तो, सुखने दो हमको कोई मतलब नही है नदी में पानी आ रहा है उसे सुबह देखेंगे। अब जबकि विभाग द्वारा डेम के गेट बंद कर नहर बन्द कर दी है तो बड़ा सवाल ये खड़ा होता है कि, रात में पानी कौंन और कैसे ले रहा है, किसानों का कहना है कि, नगर परिषद और जल संसाधन विभाग के चौकीदार की मिली भगत से रात में पानी चौरी किया जा रहा है, जबकि हमारे द्वारा मांग करने के बाद भी पानी सिंचाई के लिए नही दिया जा रहा है जिससे हम किसानो की फसल खराब हो रही है।

सभी को पानी देने की मांग

किसानों ने मामले में अनुविभागीय अधिकारी पेटलावद को आवेदन देने की बात कहते हुए मांग की है कि, यदि तालाब की नहर आधी चल रही है तो हम किसानों तक पानी क्यो नही आने दिया जा रहा और यदि विभाग ने नहर बन्द कर दी है तो किसकी मिलीभगत से आधी नहर चल रही है। किसान विक्रम कटारा और दशरथ जाटव का कहना है कि, विभाग ने नहर जल्दी बन्द कर दी जिससे हमारी खड़ी फसल कमजोर और खराब हो रही है, हमें जरूरत के अनुसार पानी दिया जाए।

स्वास्थ विभाग की खुली पोल, जिला स्वास्थ्य अधिकारी के अलग-अलग शिकायत पर दी अलग-अलग जानकारी

मामला लेन-देन कर स्टाफ नर्स के अटैचमेंट का

माही की गूंज, पेटलावद।

जिले के अधिकारी भ्रष्टाचार के कीचड़ में इतने ज्यादा उतर गए है कि, अब उनको भी भान नही की उनके विभाग में क्या हो रहा है? या फिर कहे कि रिश्वत का बोझ इतना ज्यादा बढ़ गया कि, उच्च अधिकारी को भी मूर्ख बनाने से नही चूकते। पूर्व में गूंज द्वारा खुलासा किया गया था कि, जिला स्वास्थ अधिकारी द्वारा कलेक्टर को गुमराह, भर्मित कर गलत जानकारी लिखित में दी जा रही है, लेकिन कलेक्टर ने शायद इस पर कोई ध्यान नही दिया। अब उसी मामले की हम विभाग के मुखिया द्वारा की जा रही लिखित पुष्टि का खुलासा कर प्रमाण दे रहे है कि, भ्रष्ट अधिकारी एक ही मामले में अलग-अलग जानकारी देकर कैसे अपनी कारिस्तानी छुपा रहे है। मामला गत दिनों संज्ञान में आया था कि, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की एक मात्र स्टाफनर्स सुभांगी शर्मा का अटैचमेंट पूर्व जिला स्वास्थ्य अधिकारी ने लेन-देन कर नियम विरुद्ध जाकर पेटलावद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर कर दिया था। मामले की शिकायत जिला कलेक्टर को हुई और स्टाफ नर्स को पुनः उसके मूल स्थान प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बामनिया भेजने की मांग हुई, जिला कलेक्टर ने उक्त शिकायत के निराकरण के लिए जिला स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र भेजा, जहा से जिला कलेक्टर को लिखित में 19 नवम्बर 2020 को पत्र जारी कर गुमराह किया गया कि, सिविल हॉस्टिपल पेटलावद में नर्स की कमी होने के कारण सुभांगी शर्मा को सिविल हॉस्टिपल में पदस्थ किया गया है, उक्त जानकारी पूर्णतः असत्य और कलेक्टर को गुमराह करने वाली थी, क्योंकि वतर्मान स्थिति तक सिविल हॉस्टिपल शुरू नही हो सका है। इसकी पुष्टि अब स्वयं स्वास्थ्य विभाग के जिला अधिकारी कर रहे है कि, कलेक्टर को दी गई जानकारी गलत ओर गुमराह करने वाली थी। एक शिकायत कर्ता द्वारा जन सुनवाई में पेटलावद के नए सिविल हॉस्टिपल के शुरू नही होने की शिकायत की गई जिसकी जांच पुनः कलेक्टर ने जिला स्वास्थ्य अधिकारी को दी जहां से शिकायत का निराकरण करते हुए बताया गया कि, सिविल हॉस्टिपल विभाग को हैंड ओवर हो चुका है और हॉस्टिपल के शुभारंभ की कार्रवाई प्रचलन में है। मतलब हॉस्टिपल अभी शुरु नही हुआ है, ये अधिकारी महाशय वही है जिन्होंने गतवर्ष नवम्बर में ही सिविल हॉस्टिपल को शुरु बताकर स्टाफनर्स को पदस्थ भी बता दिया था जो आज भी अटैच होकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में नोकरी कर रही है।

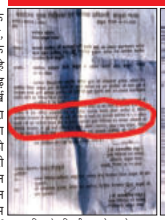

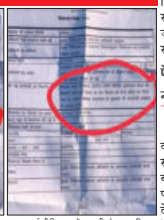

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी द्वारा कलेक्टर को 19/11/2020 सिविल हॉस्पिटल बताकर अटैच स्टाफ नर्स मामले में गुमराह किया गया।

जन सुनवाई की शिकायत में 2 फरवरी को स्वास्थ्य विभाग के उसी अधिकारी ने सिविल हॉस्पिटल के शुभारंभ की कार्रवाई प्रचलन में होना बताकर अपने झूठ की पुष्टि की।

पैसा फेको मनचाही जगह नोकरी करो

कहने को तो सरकार ने अटैचमेंट व्यवस्था पर रोक लगा रही है, लेकिन सभी विभागो में अटैचमेंट के नाम पर बड़ा खेल चल रहा है। व्यवस्था के नाम पर कर्मचारी मनमाने स्थान पर पैसा देकर जा रहा है, जबकि सरकार के साफ निर्देश है कि, अति आवश्यक स्थिति में प्रभारी मंत्री या जिला कलेक्टर की अनुमति से अटैचमेंट करना है, लेकिन अधिकांश विभाग के अधिकारी अपने आपको सरकार और अधिकारियों से भी उपर समझ कर काम करते हुए अटैचमेंट के नाम पर वसुली कर रहे है।

लापता बच्चे को ढूंढने में जुटी पुलिस

माही की गूंज, भानपुरा (मंदसौर)। तहसील भानपुरा के ग्राम बुड़नपुर से 7 फरवरी की शाम एक 7 वर्षीय बालक ईश्वर पिता मनोहर घर से कहीं चला गया। उसे परिजन रात भर ढूंढते रहे एवं पुलिस थाना भानपुरा में सूचना दी। पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेकर ढूंढने में जुट गई है परंतु तीन दिन बित जाने के बाद भी बच्चा नही मिलने पर परिजन के हाल रो-रोकर बेहाल हो गए है। पुलिस हर पहलू पर जांचकर पूरे गांव एवं आसपास के कुएं, तालाब, बावड़ी व संभावित क्षेत्रों में बच्चे को ढूंढा जा रहा है एवं परिजनों के मोबाइल फोन की लोकेशन भी ट्रेस की जा रही है। समीपस्थ ग्राम परोनिया, दुधाखेड़ी, बरढिया इस्मुग़र आदि के 6 सीसीटीवी कैमरों को खंगाला गया, घटनास्थल पर गरोठ एसडीओपी व एडिशनल एसपी भी पहुंचे एवं एसपी सिद्धार्थ चौधरी की पहल पर उज्जैन से डॉग स्क्वाड भी पहुंचकर बच्चे के कपड़े को सुघंकर बच्चे की तलाश करेगा।

महर्षि दयानंद आर्य संस्था की भूमि व भूमि पर स्थित स्कूल विवादों के घेरे में

मामला 8 लेन में भूमि जाने के बाद मिले मुआवजे का

माही की गूंज, मामल।

यह देखा जा सकता है कि, अगर किसी विभाग में सबसे बड़ा झोलमझाल है तो वह है राजस्व विभाग, जिस विभाग में हर काम साठ-गाठ के साथ किसकी जमीन कितनी व कैसे कम-ज्यादा की जाती है व पुराने रिकॉर्ड देखें जाए तो कई ऐसे मामले भी है कि, जमीन जिसकी है वह अपने हक के साथ उस पर अपना कार्य कर रहा है, परंतु असल में राजस्व रिकॉर्ड में नाम दर्ज किसी और का है। वही जब बात आती है किसी संस्था, स्कूल या धार्मिक स्थान की तो हर व्यक्ति अपनी सहानुभूति के साथ अपनी जमीन को छोड़ या किसी प्रकार का विवाद न कर आपसी में तालमेल कर सहयोग प्रदान करता है, लेकिन जब बात इगो हट पर आ जाती है तो आपसी सहयोग व तालमेल भी विवादों के घेरे में आकर खड़ा हो जाता है।

आपसी इगो के साथ कुछ ऐसा ही मामला महर्षि दयानंद आर्य संस्था के नाम से दर्ज भूमि एवं निर्माणाधीन स्कूल का सामने आ रहा है, जहां स्कूल के पीछे हिस्से की जमीन करीब ढाई बिघा ऊपर है जिस पर भामल निवासी लक्ष्मण सोलंकी अपने मालिकाना हक के साथ खेती अपने पिता के समय से कर रहा है। वही महर्षि दयानंद आर्य संस्था को 43 आरा करीब ढाई बीघा जमीन गंगाबाई व केसर सिंह के नाम वाली जमीन को 25 हजार की खरीद के साथ 27 जुलाई 2009 को संस्था के नाम करवाई थी।

करीब डेढ़ बीघा जमीन पर स्कूल व स्कूल परिसर का हुआ निर्माण

संस्था के द्वारा दो वर्ष पूर्व नई स्कूल बिल्डिंग के पूर्व भी जमीन का सीमांकन करवाया था, इसके बाद भी अपनी भूमि पर अपने मालिकाना हक व कब्जे के साथ लक्ष्मण सोलंकी अपनी खेती कर रहा था। वहीं जमीन से कब्जा छुड़ाने हेतु पूर्व में जमीन का सौदा कर लक्ष्मण को पैसे देने के लिए तय किया लेकिन सौदा नहीं जमने पर उक्त जमीन का क्रय-विक्रय नहीं हो पाया।

उक्त मामले में संस्था को जो जमीन बेची गई उनके नाम से 43 आरा जमीन नहीं थी, पर कैसे त्रुटि के कारण लक्ष्मण के हक की कुछ जमीन भी संस्था के नाम हो गई। मामला 8 लाइन में लक्ष्मण के हक की जमीन जाने के बाद मिले मुआवजे पर मामला गरमाया और लक्ष्मण ने महर्षि दयानंद आर्य संस्था को मिले मुआवजे को लक्ष्मण को दिया जाए की बात हुई, पर संस्था व संस्था के अध्यक्ष विश्वास सोनी के मना करने पर विवाद ज्यादा गरमाया और लक्ष्मण सोलंकी ने 8 लाइन के होने वाले कार्य को बाधित कर दिया। मामले में पुलिस ने भी हस्तक्षेप कर लक्ष्मण सोलंकी व विश्वास सोनी एवं संस्था के अन्य व्यक्तियों को समझाने का प्रयास किया, परंतु अभी तक मामले में कोई आपसी समाधान नहीं हुआ है।

लक्ष्मण सोलंकी के अनुसार 43 आरे से अधिक तो मेरी ही जमीन थी, लेकिन राजस्व विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की लापरवाही या अन्य जो भी कारण हो मेरे हक की भूमि मेरे ही नाम पर दर्ज नहीं है, लेकिन जमीन हमारे पुरखों से ही हमारी है। लक्ष्मण का कहना है 43 आरा जमीन संस्था के नाम से है बता रहे है, इतनी तो मेरे हक की ही भूमि है जो 8 लाइन में गई है और उतनी भूमि का पूरा मुआवजा संस्था के खाते में गया है, इसका मतलब यह है कि, जो स्कूल बनी है वह शासकीय भूमि पर है या फिर वह भूमि मेरी है और संस्था के नाम जितनी भूमि दर्ज है वह पुरी भूमि 8 लाइन में जाने के बाद व उसका मुआवजा मिलने के बाद संस्था की कोई भूमि नहीं बची है यह स्पष्ट है, जिसकी पूरी जांच होने पर ही मेरा व मामले का पुरा खुलासा होगा।

इस संबंध में महर्षि दयानंद आर्य संस्था के अध्यक्ष विश्वास सोनी से गूंज ने बात की तो बताया, 27 जुलाई 2009 को 43 आरा जमीन संस्था के नाम से खरीदी थी, लक्ष्मण के नाम से कोई जमीन नहीं है और न ही कोई कब्जा दो वर्ष पूर्व तक लक्ष्मण का था, पूर्व में भी विवाद हुए हैं यह सही है, अभी शांतिपूर्ण बात करने पर थोड़े बहुत पैसे देने की बात हो तो हम बात करने को तैयार है।

उ.प्र. के दो युवको से दो नाबालिक युवती को छुड़वायाः मामला लव जिहाद का

मामले में एक आरोपी गिरफ्तार, एक फरार

माही की गूंज, मंदसौर।

जिले की सुवासरा पुलिस ने उ.प्र. के बिजनौर जिले के चांदपुर से सुवासरा की दो नाबालिक बालिकाओं को छुड़वाया है, दोनों को चांदपुर के ही दो युवाओं ने नाम व धर्म बदलकर बहलाया और भगाकर ले गए, पुलिस ने चांदपुर से दोनों नाबालिगों को छुड़वाया और मौके से एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, वहीं एक आरोपी फरार है।

जिले में लव जिहाद का यह पहला मामला है और म.प्र. धार्मिक स्वतंत्रता अध्यादेश 2020 के अंतर्गत जिले में पहला मामला भी दर्ज किया गया है। दोनों आरोपितों ने अपनी मूल पहचान एवं धर्म छुपाकर किया नाबालिगों को गुमराह किया, शादी का झांसा देकर चांदपुर बुलाया और शारीरिक शोषण भी किया।

एसपी सिद्धार्थ चौधरी ने बताया कि, 1 फरवरी को नाबालिगों के घर से गायब होने पर पिता ने सुवासरा थाने पर सूचना दी थी, जिस पर एक टीम का गठन कर जांच शुरू की गई। पुलिस टीम अलग-अलग ठिकानों पर दबिश देते हुए उ.प्र. के बिजनौर जिले के ग्राम चांदपुर पहुंचे, जहां पुलिस ने दोनों बालिकाओं को एक घर से छुड़ाया। यहां दोनों को बंद करके रखा हुआ था। पुलिस ने मौके से साहिल पिता अली हसन फकीर निवासी फिना कालोनी चांदपुर को गिरफ्तार कर लिया। वहीं एक अन्य आरोपी इरफान उर्फ छोटे खां फकीर निवासी फिना कालोनी चांदपुर फरार है। दोनों आरोपितों के खिलाफ सुवासरा थाने पर भादसं की धारा 363, 366, 376 (2) एन, 376 (3), पाक्सो एक्ट की धारा 2/4 (2), 17, अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार निवारण 3/2 (ट) 3 एवं मध्यप्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अध्यादेश 2020 के अंतर्गत प्रकरण दर्ज किया है।

पुलिस पूछताछ के दौरान बालिकाओं ने बताया कि, फोन पर गलत नंबर लगने से बातचीत शुरू हुई थी, आरोपित साहिल ने विकास बनकर और आरोपित इरफान ने आकाश बनकर दोनों से बातचीत शुरू की। इसी के चलते शादी के लिए बहला-फुसलाकर दोनों नाबालिक बालिकाओं को अपने साथ चांदपुर ले गए, दोनों को शादी करने के लिए गलत नाम एवं गलत धर्म बताकर बहला-फुसला कर झांसा दिया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422